पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

काजोल-ट्विंकल खन्ना लेकर आ रही हैं टॉक शो

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 119 ■ बुधवार, 23 जुलाई 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel Subscribe

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

खस्ताहाल सड़कें, नागरिक आक्रोशित

- गड्ढों के विरोध में रिक्शा चालकों का आंदोलन
- मनपा प्रशासन के विरुद्ध की नारेबाजी
- गड्ढों पर बैठकर किया प्रदर्शन
- सत्ताधारी नेता, विधायक व सांसद चुप क्यों?

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर में इन दिनों जानलेवा गड्ढे के कारण शहर खस्ता हालत में है। ऐसे में उल्हासनगर शहर के रिक्शा चालक इन जानलेवा गड्ढो.से काफी परेशान है। वाहन चालक रोजाना दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं तो वहीं कई वाहन चालकों को पीठ के दर्द की शिकायत भी आ रही है। ऐसे में उल्हासनगर-1 कमला नेहरू नगर धोबीघाट से खेमानी परिसर में जानलेवा गड्ढे के विरुद्ध रिक्शा चालकों ने आंदोलन किया।

रिक्शा चालकों ने उन गड्ढों में बैठकर नपा प्रशासन और ठेकेदारों के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया। रिक्शा चालकों का कहना है कि मनपा में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण आज शहर में गड्ढे ही गड्ढे हैं। सड़कों की इस दुर्दशा के कारण आज शहर में कोई आना पसंद नहीं कर रहा है और लोग पलायन कर रहे हैं। रोजाना इस जानलेवा घटनाओं में दुर्घटनाएं हो रहे हैं। शहर के सत्ताधारी नेता, विधायक व सांसद भी चुप्पी साधे हुए हैं और शहर की खस्ता हालत को तमाशबीन बनकर देख रहे हैं।

उल्हासनगर में कुछ रिक्शा चालकों ने प्रशासन की निष्क्रियता के खिलाफ अनोखे तरीके से विरोध प्रदर्शन किया। धोबीघाट से मच्छी मार्केट मार्ग पर बने गहरे गड्ढों में बैठकर उन्होंने मनपा प्रशासन के ढीले प्रबंधन की कड़ी आलोचना की। इस आंदोलन को नागरिकों का भी भरपूर समर्थन मिला। इस बीच, रिक्शा चालकों सहित आम नागरिक मांग कर रहे हैं कि प्रशासन इस स्थिति पर ध्यान दे और सड़कों की तुरंत मरम्मत कराए। चेतावनी भी दी गई है कि अन्यथा यह विरोध प्रदर्शन तेज किया जाएगा।

विरोध प्रदर्शन में भाग ले रहे रिक्शा चालकों ने कहा, सड़कों पर गड्ढों के कारण हर दिन रिक्शा क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। यात्रियों की जान जोखिम में है। हम कितनी भी बार शिकायत करें, प्रशासन चुप रहता है। कई लोगों ने सड़कों की खराब हालत के लिए मनपा की आलोचना करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। 'सड़कें पक्की थीं; लेकिन वे फिर कभी नहीं भरे। 'क्या यह विकास कार्य है या विनाश?' नागरिकों ने प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाया।

सड़कों में गड्ढे हैं या गड्ढों में सड़क?

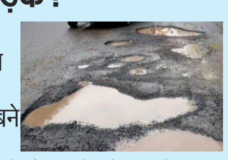

उल्हासनगर शहर में सड़कों की हालत सचमुच यह सवाल उठा रही है कि 'गड्ढे हैं या सड़कें?' धोबीघाट से मछली मार्केट रोड; इसके अलावा कल्याण-बदलापुर मार्ग पर बने गड्ढे वाहन चालकों की जान लेने पर तुले हुए हैं। लगातार बारिश के कारण ये गड्ढे और गहरे हो गए हैं और इनमें जमा पानी के कारण वाहन चालकों से लेकर पैदल चलने वालों तक सभी को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

महिला व युवक की रेल से कटकर मौत

- महिला को बचाते हुए युवक की गई जान
- महिला हेडफोन लगाकर जा रही थी
- मोरीवली गांव के पास हुआ दर्दनाक हादसा
- रेल पादचारी पुल बनाने की मांग

⏩ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ के मोरीवली गांव रेलवे ट्रैक के पास एक दर्दनाक रेल दुर्घटना में एक महिला और एक व्यक्ति की रेल से कटकर मौत हो गई है. ये घटना रविवार शाम 7.30 बजे की है. महिला कान में हेडफोन लगाकर रेलवे ट्रैक क्रास कर रही थी. लोगों ने एवं उसके पीछे चल रहे उसके सहकर्मी ने उसे चिल्ला कर आवाज दी. लेकिन वह आवाज सुन ना सकी. महिला को बचाने के लिए उसका सहकर्मी दौड़ा, लेकिन तेज रफ्तार ट्रेन से दोनों की कटकर मौत हो गई.

मृतक वैशाली सुनिल धोत्रे (45) निवासी मोरीवली गांव और शहर पूर्व के महालक्ष्मी नगर निवासी आतिश रमेश आंबेकर (29) दोनों आनंद नगर एमआईडीसी में एक ही कंपनी में काम करते थे. रविवार 20 जुलाई की शाम में 7.30 बजे दोनों कंपनी से घर जाने के लिए निकले.

आतिश वैशाली को घर छोड़ने के लिए शहर पूर्व के बी केबिन से शार्टकट रेलवे ट्रैक के पास से मोरीवली में घर जा रहे थे. वैशाली ने कान में हेडफोन लगा रखा था. सामने से ट्रेन आता देख लोगों ने एवं आतिश ने चिल्ला कर उसे आगाह किया, लेकिन कान में हेडफोन होने से वह किसी की आवाज सुन ना सकी. ट्रेन को एकदम मजदीक देखकर आतिश उसे बचाने के लिए आगे आया, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी. तेज रफ्तार से आ रहे ट्रेन ने दोनों को अपनी चपेट में ले लिया. दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. आतिश अपने घर का एकमात्र सदस्य था, जो कमाकर अपने घर का गुजारा करता था. वैशाली का पति रिक्शा चालक है. उसको एक लड़की और 22 वर्ष का लड़का है.

मोरीवली के पूर्व नगरसेवक नंदकुमार भागवत ने पत्रकारों को बताया कि उन्होंने रेल प्रशासन एवं सांसद शिंदे को पत्र देकर बी केबिन से मोरीवली गांव के पास एक रेल पादचारी पुल को बनाने की कई बार मांग कर चुके हैं. काम भी शुरू हुआ लेकिन पुल ना बन सका. इसके लिए रेल पटरी क्रास करते समय लोगों की मौत हो रही है.

आस्था का 'मार्ग' भी कीचड़ से भरा हुआ

- झूलेलाल मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं को बुरा हाल

उल्हासनगर. उल्हासनगर में सिंधी समाज की आस्था, भक्ति और सामाजिक एकता का प्रतीक चालिया साहब महापर्व बुधवार 16 जुलाई को झूलेलाल मंदिर (कैंप 1) में शुरू हुआ। देश भर से लाखों श्रद्धालु इस पवित्र मंदिर में दर्शन, आरती, बेहराणा साहब और चालीस दिनों की पूजा के लिए आते हैं। हालाँकि, पिछले कुछ दिनों से मंदिर क्षेत्र की सड़कों की

हालत बहुत खराब है। स्थानीय नागरिकों ने समय-समय पर शिकायत की थी और संबंधित प्रशासन को चालिया साहब उत्सव से पहले सड़कों की उचित मरम्मत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। हालाँकि, मनपा ने इन सुझावों और मांगों को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया।

गड्ढों को भरने के लिए अच्छी गुणवत्ता वाले डामर या कंक्रीट का उपयोग करने के बजाय, केवल मिट्टी, कचरा और हल्के ग्रेड की बजरी डालकर फुटपाथ को साफ किया गया। इससे भी गंभीर बात यह है कि इसी सड़क पर पानी की पाइप लाइन में लीकेज थी, लेकिन उसे ठीक न करके सीधे ऊपर से ही ठीक कर दिया गया। परिणामस्वरूप, कुछ ही घंटों में सारी बजरी और मिट्टी बह गई, सड़क कीचड़मय हो गई और पूरा इलाका दलदल बन गया। मंदिर के पास पहुंचते ही बुजुर्ग लोग, महिलाएं और बच्चे गिर पड़े। कुछ श्रद्धालुओं को मामूली चोटें भी आईं। वाहन चालकों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन पर जताया गुस्सा

उल्हासनगर 5 चालिया साहेब मंदिर परिसर में भी खस्ता हाल सडकों से झूलेलाल भक्तों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. स्थानीय लोगों ने प्रशासन के प्रति रोष व्यक्त करते हुए स्पष्ट रूप से कहा कि स्मार्ट सिटी का सपना देखने वाले अधिकारी वास्तव में उल्हासनगर को सीवर सिटी में बदल रहे हैं। मंदिर जैसे धार्मिक स्थल की उपेक्षा प्रशासन की असंवेदनशीलता का प्रतीक है। कई लोगों ने सवाल उठाया कि जनता के प्रतिनिधि कहां हैं? यदि आस्था के ऐसे मौसम में भी वे निष्क्रिय हैं तो शहर के विकास के लिए क्या प्रयास करेंगे?

CNG स्टेशन पर गैस रिसाव

अंबरनाथ. अंबरनाथ के फॉरेस्ट नाका इलाके में सीएनजी गैस सप्लाई करने वाले एक ट्रक से बड़ी मात्रा में गैस लीक होने से हड़कंप मच गया। हालांकि, सीएनजी स्टेशन पर मौजूद कर्मचारियों द्वारा गैस रिसाव को रोक देने से एक बड़ी दुर्घटना टल गई।

अंबरनाथ पश्चिम में कल्याण बदलापुर राज्य राजमार्ग पर फॉरेस्ट नाका के पास एक सीएनजी पंप पर गैस रिसाव हुआ। यह घटना सीएनजी गैस ले जा रहे एक ट्रक में सिलेंडर भरते समय घटी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार ट्रक सीएनजी गैस सिलेंडर लेकर इगतपुरी जा रहा था। हालांकि, ट्रक चालक ने प्रारंभिक जानकारी दी है कि नोजल से अचानक गैस लीक हो गई थी। इस बीच, जैसे ही गैस रिसाव हुआ, सीएनजी पंप पर मौजूद कर्मचारियों ने समय रहते रिसाव पर काबू पा लिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। इस घटना से राज्य राजमार्ग पर कुछ देर के लिए भय का माहौल बन गया। फारेस्ट नाका एक बहुत ही महत्वपूर्ण चौराहा है और यह सीएनजी पंप इसी चौराहे पर स्थित है। इस स्थान पर बड़ी संख्या में वाहन सीएनजी गैस भरवाने आते हैं। ऐसी जगह पर गैस रिसाव से काफी हड़कंप मच गया।

खुले चेंबर में गिरने से एक व्यक्ति की मौत

- चलते समय पैर फिसलने से गिरे

कल्याण. एक चौंकाने वाली घटना में एक व्यक्ति की खुले चेंबर में गिरने से मौत हो गई। सड़क पर चलते समय एक व्यक्ति फिसलकर सीधे पानी के वॉल्व के चेंबर में गिर गया और उसके सिर में गंभीर चोट आई। आसपास के लोगों ने उसे इलाज के लिए डोंबिवली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। हालांकि, इलाज के दौरान मरीज की मौत हो गई। इस घटना से नागरिकों में तीव्र आक्रोश है।

भाजपा के पूर्व उप महापौर मोरेश्वर भोईर ने सवाल उठाया कि आखिर इस चेंबर को किसने खुला रखा। इस संबंध में उन्होंने कड़ी नाराजगी भी व्यक्त की है और एमआईडीसी प्रशासन को लताड़ लगाई है.

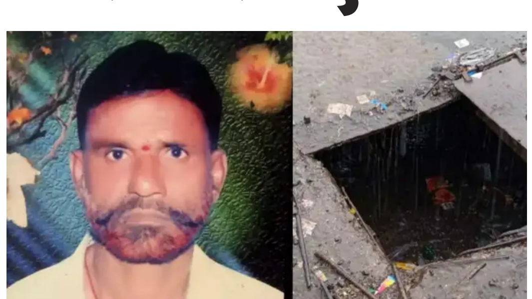

यह खुला चेंबर कल्याण-शील रोड पर टाटा नाका गांधीनगर क्षेत्र में स्थित था। बाबू धर्मा चव्हाण (उम्र 60) रविवार को इस स्थान से पैदल जा रहे थे। इसी दौरान चव्हाण का पैर फिसल गया और वह सीधे बगल में स्थित खुले चेंबर में गिर गए। आस-पास के नागरिकों ने एक व्यक्ति को चेंबर में पड़ा देखा, तो तुरंत चैंबर से बाहर निकाला और इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसके सिर पर गंभीर चोट लगी थी। इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। इस घटना के कारण अस्पताल परिसर में नागरिकों की भीड़ लग गई।

चव्हाण की मृत्यु लापरवाही के कारण हुई। बाबू धर्मा चव्हाण के दोनों बेटों ने मांग की कि आज हमारे पिता का निधन हो गया, और कल ऐसी घटना किसी के साथ न घटे। हम न्याय चाहते हैं. उनके दो बेटों काशीनाथ चव्हाण और प्रवीण चव्हाण ने आरोप लगाया कि यह चेंबर हमेशा खुला रहता था। इस स्थान से कई गाड़ियां भी गुजरती हैं। उम्मीद थी कि कल किसी और के घर कोई अप्रिय घटना नहीं घटेगी।

अब हमें यह देखना होगा कि एमआईडीसी प्रशासन इस पर क्या प्रतिक्रिया देता है और क्या वे इस बात का स्पष्टीकरण देते हैं कि चैंबर खुला रहने में किसकी गलती थी। इस बीच, स्थानीय लोगों ने बताया कि पानी के वॉल्व के खुले चेंबर की अस्थायी रूप से मरम्मत कर दी गई है।

पान की दुकान पर मनपा की दादागिरी

- दुकानदार ने पुलिस में शिकायत
- बिना कारण दंड वसूलने का आरोप

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा का एक और अजब कारोबार सामने आया है। अब मनपा अधिकारियों की दादागिरी दुकानों पर निकलनी शुरू हो गई है। ऐसी ही एक घटना उल्हासनगर 1 न्यू टेलीफोन एक्सचेंज के सामने अंबिका पान की दुकान में घटी है। दुकान मालिक तनिश मनोज संतानी ने उल्हासनगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि मंगलवार

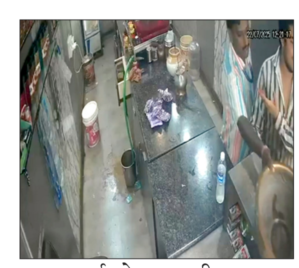

22 जुलाई दोपहर करीब 12.30 बजे उनके दुकान पर मनपा के 8 कर्मचारी व सह.आयुक्त अजित साबले आए और कहा कि कचरे के डिब्बे का अभी का अभी 5 हजार दंड भरो वरना दुकान को सील किया जाएगा। जबकि मेरे दुकान का कोई भी अनधिकृत निर्माण व सामान न था और कचरा रास्ते पर कोई न फेंके इसलिए कचरा का डिब्बा रखा हुआ था। लेकिन कर्मचारियों व अधिकारी ने दादागिरी करते हुए दुकान के सामान उठाने लगे और दादागिरी करते हुए धमकी देने लगए। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज हमारे पास मौजूद है। दुकान का सामान लेकर उन्होंने कहा कि दंड भरकर सामान लेकर जाए। इस तरह बिना कारण गरीब दुकान पर इस तरह के अत्याचार की शिकायत उल्हासनगर पुलिस थाने में दुकान मालिक ने की है और इंसाफ की मांग की है। हर तरह के नियमों का पालन करने के बावजूद दुकानदार पर अत्याचार करना क्या यह कानून का उल्लंघन नहीं।

उपमुख्यमंत्री अजित दादा के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर का आयोजन

- 125 यूनिट रक्त जमा हुआ

उल्हासनगर। उपमुख्यमंत्री अजित दादा पवार के जन्मदिन पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी उल्हासनगर राकांपा द्वारा जनविश्वास सप्ताह 22 से 30 जुलाई तक आयोजित किया जाता है। जिसमें पक्ष द्वारा सामाजिक कार्य किए जाते हैं। उसमें सर्वोत्तम रक्तदान का आयोजन 22 जुलाई 2025 को उल्हासनगर-5 स्थित राकांपा मुख्यालय में किया गया। यह शिविर सुबह 11 से शाम 6 बजे तक हुआ जिसमें आम नागरिक, युवा, महिलाएं व पूर्व नगरसेवक व पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया।

रक्त संकलन के लिए संकल्प ब्लड बैंक की टीम को कुल 125 यूनिट रक्त जमा करने का इसमें सुनहरा अवसर मिला तो जरूरतमंद मरीजों की मदद करेगा।

राकांपा नेता भारत गंगोत्री ने कहा कि हमें इस शिविर का प्रचार प्रसार करने की जरूरत ही नहीं होती सभी जागरूक नागरिक व रक्तदाताओं को इस शिविर का बेसब्री से इंतजार रहता है क्योंकि रक्तदान सर्वश्रेष्ठ दान है और हमारा कार्य आम लोगों के लिए ही रहता है। शहर में राकांपा ने कोरोनाकाल से पूर्व और अब तक इस तरह के कई सामाजिक व लाभदायक शिविर लगाने का रिकार्ड बनाया है जो भविष्य में भी जारी रहेगा।

रिश्वत लेते पुलिसकर्मी और सहयोगी गिरफ्तार

नवी मुंबई. एक पुलिस उप-निरीक्षक और उनके सहयोगी को नवी मुंबई में एक मामले में एक व्यक्ति के पिता को गिरफ्तार करने की धमकी देकर उससे 50,000 रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की रायगढ़ इकाई ने सोमवार रात पुराने पनवेल के शिवाजी चौक पर एक कार के अंदर रिश्वत लेते हुए उप-निरीक्षक सचिन वायकर और उनके सहयोगी रवींद्र बुट्टे को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। पुलिस उपाधीक्षक (एसीबी रायगढ़-अलीबाग) सरिता आईएस भोसले ने यह जानकारी दी।

अंबरनाथ बुवापाड़ा में पानी के लिए हाहाकार

- बुवापाड़ा निवासियों ने मजीप्रा कार्यालय पर मोर्चा निकाला

⏩ उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. डैम में पानी 80 प्रतिशत होने के बावजूद महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण के नियोजन शून्य कारोबार के कारण शहर में लोगों को पानी की परेशानी हो रही है. अंबरनाथ में उत्तर भारतीय बहुल परिसर बुवापाड़ा में अनियमित जलापूर्ति के कारण यहां के निवासियों ने मजीप्रा कार्यालय पर मोर्चा ले जाकर आंदोलन करके अपना रोष व्यक्त किया. लोकाधिकारी सामाजिक संस्ता महाराष्ट्र राज्य के उपाध्यक्ष अशोक शाह के नेतृत्व में मजीप्रा कार्याल में आंदोलन करके नारेबाजी की गई.

उन्होंने एक निवेदन देकर हंडा मोर्चा मजीप्रा पर ले जाने की घोषणा की थी, लेकिन मजीप्रा के अधिकारियों ने उन्हें एक पत्र देकर कई बहानेबाजी करके कहा था कि हंडा मोर्चा न लाएं. बुवापाड़ा में जल्द ही लोगों को नियमित पानी दिया जाएगा. लेकिन पानी की ज्यादा परेशानी एवं अशोक शाह को मजीप्रा के एक कर्मचारी द्वारा जान से मारने की धमकी दिए जाने पर उन्होंने कार्यालय पर मोर्चा निकालकर अपना रोष व्यक्त किया. बबलू सिंह और परिसर की महिलाएं बड़ी संख्या में मोर्चे में थीं. अधिकारियों ने अनेक कारणों का पहाड़ा पढ़ते हुए एवं भेंडीपाड़ा में बूस्टर पम्प हाउस से व्यवस्थित जलापूर्ति न होने से बुवापाड़ा में अनियमित पानी का बहाना बनाया. बुपाड़ा में नियमित पानी देने के लिए प्रयत्न शुरू हैं. ऐसा लिखित निवेदन मजीप्रा के उप विभागीय अधिकारी किशोर शिकोकारे द्वारा दिए जाने के बाद आंदोलन वापस लिया गया है. ऐसा अशोक शाह ने बताया है.

अस्पताल में रिसेप्शनिस्ट युवती की पिटाई

- आरोपी युवक ने पेट में मारी लात

कल्याण. नांदीवली स्थित श्री बा चिकित्सा क्लिनिक में डॉक्टर के केबिन में जबरन घुसे एक व्यक्ति ने मना करने पर 25 वर्षीय रिसेप्शनिस्ट युवती की बेरहमी से पिटाई कर दी। जिस युवती की पिटाई की गई उसका नाम सोनाली कलासरे है और जिस युवक ने उसकी पिटाई की उसका नाम गोकुल झा है। इस मामले में पीड़ित लड़की ने मानपाड़ा पुलिस स्टेशन में गोकुल झा के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

पीड़िता सोनाली कलासरे कल्याण के पिसवली गांव में रहती है। वह नांदीवली में डॉ. अनिकेत पलांडे के श्री बालचिकित्सालय क्लिनिक में रिसेप्शनिस्ट के रूप में काम करती हैं। पीड़िता द्वारा दर्ज शिकायत के अनुसार सोमवार को शाम करीब 6 बजे काम पर गई। उस समय डॉक्टर क्लिनिक में नहीं पहुंचे थे और 4 से 5 मरीज क्लिनिक में इंतजार कर रहे थे। डॉक्टर शाम 6.35 बजे क्लिनिक पहुंचे। उस समय कुछ एमआर लोग डॉक्टर से मिलने गए थे।

इसी बीच, एक महिला और एक पुरुष अपने बच्चे के साथ जांच के लिए क्लिनिक आए थे। उनके साथ एक 25 वर्षीय लड़का भी था जो उनका रिश्तेदार था। लड़का अंदर आया और सीधे डॉक्टर के केबिन में जाने लगा।

उस समय सोनाली ने थोड़ी देर इंतजार करने के लिए कहा तो उसने सोनाली को गालियां दीं और कहा कि जो भी अंदर बैठा है उसे बाहर बुलाओ, हम अंदर जाना चाहते हैं। इस पर सोनाली ने कहा कि उन्हें गाली मत दीजिए। वह उस समय बाहर गया और वापस आकर सोनाली को गालियां दीं और उसे लात-घूंसों से बुरी तरह पीट दिया. क्लिनिक में मौजूद अन्य लोगों ने लड़की को बचाया।

'गटारी' मनाने वालों पर पुलिस की कड़ी नजर

- इस साल के बजट पर महंगाई का साया, लेकिन तैयारियां जारी

कल्याण. महाराष्ट्र सरकार ने शराब पर मूल्य वर्धित कर बढ़ा दिया है, जिससे शराब की कीमत में वृद्धि हो गई है। शराब के दाम के साथ-साथ मटन और चिकन के दाम भी बढ़ा दिए गए हैं। इसके बावजूद, ऐसा प्रतीत होता है कि गटारी का जश्न मनाने के लिए जोरदार तैयारी शुरू कर दी गई है। अनुमान है कि इस वर्ष ठाणे में एक सप्ताह में 3.8 मिलियन लीटर देशी शराब और 3.5 मिलियन लीटर विदेशी शराब बिकेगी। शराब विक्रेताओं ने बताया कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष शराब की बिक्री में 15 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है।

श्रावण मास के प्रारंभ होने से पहले पड़ने वाली गटारी अमावस्या को मनाने का उत्साह चरम पर पहुंच गया है। अधिकांश परिवारों में श्रावण मास के प्रथम दिन से लेकर गणेश चतुर्थी तक मांस वर्जित रहता है. इसलिए, गटारी अमावस्या के दिन मछली, मटन और चिकन का भोज किया जाता है। यद्यपि श्रावण मास गुरुवार से शुरू हो रहा है, लेकिन गटारी उत्सव बुधवार को अधिक उत्सवी रंग में होगा, क्योंकि सोमवार और मंगलवार को मांसाहारी भोजन नहीं खाया जाता है। इस पृष्ठभूमि में, ठाणे में येउर, घोड़बंदर रोड, कल्याण शील फाटा सहित शहर के सभी बार, होटल और ढाबों में व्यापक तैयारी की गई है।

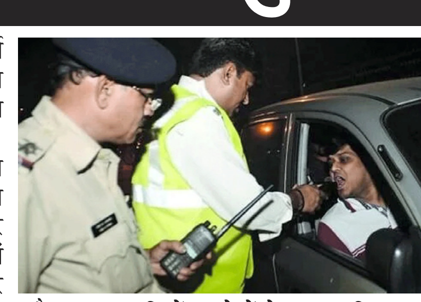

अनुचित कार्यों से बचें...

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे इस अवसर जश्न मनाएं, लेकिन ऐसा कुछ भी न करें जिससे अनुचित व्यवहार हो। वहीं, पुलिस ने कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़ी तैयारियां शुरू कर दी हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शहर और ग्रामीण पुलिस सहित 6,500 पुलिसकर्मियों का बल पूरे जिले में तैनात किया जाएगा। पुलिस ने यह भी कहा कि रात में विभिन्न स्थानों पर नाके लगाए जाएंगे और नियमित गश्त की जाएगी।

पिछले साल की तुलना में देशी-विदेशी शराब की कीमतों में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। चिकन और मटन की कीमतें भी बढ़ गई हैं। हालांकि, आबकारी विभाग के सूत्रों ने अनुमान लगाया है कि गटारी के कारण इस सप्ताह कुल शराब की लगभग 80 लाख लीटर बिक्री होगी। पिछले साल गटारी के सप्ताह के दौरान 7.2 मिलियन लीटर बीयर, 28.32 मिलियन लीटर विदेशी शराब और 3.1 मिलियन लीटर घरेलू शराब बेची गई थी। इस बीच, पुलिस बल ने भी गहन तैयारी शुरू कर दी है कि कहीं भी कानून-व्यवस्था बाधित न हो। पुलिस शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर कड़ी नजर रखेगी। शहर के प्रमुख नाकों पर श्वास विश्लेषकों के साथ पुलिस दल तैनात किए जाएंगे।

उल्हास विकास

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

प्रवर्तन निदेशालय की साख पर सवाल

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्यप्रणाली को लेकर शक्तियों के इस्तेमाल, पारदर्शिता की कमी और राजनीतिक दुरुपयोग जैसे सवाल उठते रहे हैं। ईडी पर विपक्षी दलों को निशाना बनाने और सत्ताधारी दल के सदस्यों के प्रति नरमी बरतने के आरोप भी लगते रहते हैं। इसके अलावा, ईडी की ओर से दर्ज मामलों में दोषसिद्धि की दर कम होने पर भी सवाल उठ चुके हैं। ये सवाल तब और गंभीर हो जाते हैं, जब कुछ मामलों में न्यायालय की ओर से भी जांच एजंसी की कार्यप्रणाली को संदेह की नजर से देखा जाता है।

गौरतलब है कि मद्रास उच्च न्यायालय ने एक मामले की सुनवाई के दौरान यह सख्त टिप्पणी की कि ईडी कोई 'ड्रोन' नहीं है जो आपराधिक गतिविधि का पता चलते ही हमला कर दे। साथ ही कहा कि जांच एजंसी एक अत्यधिक दक्ष पुलिस अधिकारी (सुपर काप) की तरह नहीं है, जो उसके संज्ञान में आने वाली हर चीज की जांच करे। हर जांच एजंसी की कार्यप्रणाली में कुछ न कुछ खामियां होती हैं, लेकिन जब सिलसिलेवार तरीके से सवाल उठने लगे तो यह दामन पर दाग लगने जैसा होता है।

ईडी के पास धनशोधन जैसे आर्थिक अपराधों की जांच करने की शक्ति है। विपक्षी दल ऐसे आरोप लगाते रहे हैं कि राजनीतिक दबाव में जांच एजंसी इस शक्ति का दुरुपयोग कर रही है। ईडी की शक्तियों से जुड़े एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की थी कि अगर जांच एजंसी के पास मौलिक अधिकार हैं तो उसे लोगों के अधिकारों के बारे में भी सोचना चाहिए। जांच के दौरान कानूनी सलाह देने या मुवक्किलों का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों को ईडी द्वारा तलब किए जाने से जुड़े एक मामले में सोमवार को शीर्ष अदालत ने कहा कि ईडी सारी हदें पार कर रही है।

सके अलावा, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की पत्नी से संबंधित भूखंड आबंटन मामले में सुप्रीम कोर्ट ने चेताया है कि राजनीतिक लड़ाई मतदाताओं के सामने लड़ी जानी चाहिए, इसमें ईडी जैसी जांच एजंसियों को हथियार के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। जाहिर है, लगातार उठते सवालों के बीच ईडी को अपनी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और निष्पक्षता के मानक सुनिश्चित कर राजनीतिक दबाव से मुक्त होकर काम करना चाहिए, ताकि उसकी साख पर कोई बट्टा न लगे।

भारत की सांस्कृतिक विरासत सामान्य बोध से अधिक पुरानी

पिछले कुछ महीनों से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के तिलवाड़ा साकिन, हरियाणा के टोपरा कलां और राजस्थान के बहज नामक पुरातत्व स्थलों से ताम्रयुगीन, महाभारतकालीन, मौर्यकाल, शुंग काल और कुषाण काल के अनेक महत्वपूर्ण पुरावशेष मिले हैं। तिलवाड़ा साकिन गांव में हुए उत्खनन से 4,000 साल पुराने रथ का पहिया मिला है, जो तांबे की परत से ढका हुआ है। 1900 से 1500 ईसा पूर्व के तांबे की कटारें, तलवारें, औजार मिले हैं।

तिलवाड़ा साकिन से केवल 10 किमी दूर सिनौली गांव से भी तांबे की परत चढ़े तीन युद्ध रथ और अति दुर्लभ लकड़ी के ताबूत में संरक्षित किए गए आठ मानव कंकाल, युद्ध में इस्तेमाल किए जाने वाले कवच, हेलमेट, तांबे की तलवारें, खंजर, स्वर्ण आभूषण प्राप्त हुए हैं। सिनौली में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) ने सर्वप्रथम 2005 में उत्खनन कार्य कराया था। तब पुरातत्वविदों को यहां से करीब 116 मानव कंकाल, स्वर्णनिधि (बड़ी संख्या में सोने के कंगन, सोने के मनके और सोने की मानवाकृति) प्राप्त हुई थी।

तिलवाड़ा साकिन और सिनौली में मिले पुरावशेषों में एकरूपता की झलक मिलती है। यह पूरा परिक्षेत्र कुरु वंश की राजधानी हस्तिनापुर के अंतर्गत आता था। तिलवाड़ा और सिनौली की खुदाई में जो बर्तन और दाह संस्कार के प्रमाण मिले हैं, वे महाभारत, रामायण और वेद जैसे प्राचीन ग्रंथों में वर्णित कथाओं से मेल खाते हैं। दोनों स्थलों से मिले गेरूए मृदभांड और तांबे के बर्तनों

की संरचना, नक्काशी और आकार एक जैसा है। इन दोनों स्थलों से मिले अवशेषों की कार्बन डेटिंग भी हुई है। इससे स्पष्ट होता है कि भारतीय उपमहाद्वीप की सबसे पुरानी योद्धा जनजातियों में से एक यहां निवास कर रही थी।

ये लोग प्रवासी नहीं, बल्कि हड़प्पा सभ्यता से अलग संस्कृति वाले स्वदेशी योद्धा थे। इससे यह भी पता चलता है कि वैदिक युग के लोग बहुत कुशल कारीगर थे। उन्हें धातु पिघलाना, उसे ढालना और लकड़ी पर तांबे की परत चढ़ाना अच्छी तरह आता था। महिलाओं के कंकालों के साथ मिली तलवारें और अन्य पुरावशेष इस बात के सुबूत देते हैं कि प्राचीन भारत में महिलाओं की सामाजिक हैसियत पुरुषों के बराबर थी। गंगा-यमुना दोआब में स्थित पुरातात्विक स्थलों से मिले ये पुरावशेष वामपंथी इतिहासकारों के फैलाए उस झूठ की पोल खोलते हैं कि आर्य विदेशी आक्रमणकारी थे और वे अपने साथ रथ और हथियार लेकर आए। ये पुरावशेष आर्यों के भारतीय होने के सिद्धांत को पुख्ता करते हैं।

चीनी यात्री ह्वेनसांग ने अपने यात्रा-वृतांत में आज के हरियाणा के यमुनानगर जिले में स्थित सुघ नामक गांव के बौद्ध विहार का बहुत सुंदर वर्णन किया है। सुघ गांव के प्राचीन टीले पर सम्राट अशोक द्वारा बनवाए गए पुरावशेष आज भी मौजूद हैं। हाल में हरियाणा सरकार ने राज्य में 28 बौद्ध स्तूप निर्मित किए जाने की घोषणा की है। इसकी शुरुआत यमुनानगर के ऐतिहासिक गांव टोपरा कलां में भगवान बुद्ध के स्तूप निर्माण के साथ होगी। वर्तमान में टोपरा गांव प्राचीन टीले पर स्थापित है और मौर्य युग के मिट्टी के बर्तनों के टुकड़ों को यहां आसानी से देखा जा सकता है। हाल में आइआइटी, कानपुर के शोधकर्ताओं ने पुरातात्विक अवशेषों का पता लगाने की अत्याधुनिक तकनीक ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार (जीपीआर) द्वारा टोपरा कलां गांव के टीले का गहन सर्वेक्षण किया।

इसके अंतर्गत विद्युत चुंबकीय तरंगों को जमीन के भीतर भेजा गया। इस तकनीक द्वारा शोधकर्ताओं को छह से सात फीट की गहराई पर स्तूप जैसी अर्ध गोलाकार संरचनाओं, ईंट की दीवारों और आवासीय कक्षों जैसे पैटर्न बने होने के संकेत मिले। शोधकर्ताओं की टीम ने एक और दिलचस्प जगह का भी पुरातात्विक सर्वेक्षण किया, जिसे स्थानीय लोग 'जरासंध का किला' कहते हैं, यहां भी दीवारनुमा संरचना होने के संकेत मिले हैं। पुरातात्विक उत्खनन की इसी कड़ी में एएसआइ को राजस्थान के डीग जिले के बहज गांव में भी 3500 ईसा पूर्व पुरानी सभ्यता के अवशेष मिले हैं।

खोदाई के दौरान शोधकर्ताओं को गांव में 23 मीटर की गहराई पर

देश से जुड़े जरूरी सवाल पर नहीं हो रही बहस

संसद के मानसून सत्र के पहले ही दिन दोनों सदनों में सत्ता और विपक्ष के बीच खींचतान के बाद जैसा हंगामा देखा गया, वह एक तरह से अपेक्षित था। जिस तरह लोकसभा की कार्यवाही स्थगित करने की नौबत आई, उससे एक बार फिर यही लगता है कि जनहित से जुड़े मसलों पर बातचीत के बजाय संसद अब सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव की जगह बनती जा रही है। विपक्ष को लगता है कि सरकार अपनी सुविधा के मुताबिक सदन में बहस के लिए मुद्दों का चुनाव करती है और ऐसे में जनहित तथा राष्ट्रीय महत्त्व के विषयों की उपेक्षा की जाती है, वहीं सरकार यह मानती है कि विपक्ष नाहक ही सदन को बाधित कर जरूरी कामकाज में अड़चन डालता है।

इसमें दोराय नहीं कि जब तक किसी मुद्दे पर लोकसभा या राज्यसभा में बहस नहीं होगी, तब तक जनहित के सवाल उपेक्षित रहेंगे, लेकिन इस क्रम में ऐसी स्थिति पैदा होने को कैसे सही ठहराया जा सकता है कि सदन में विचार-विमर्श के बजाय एकतरफा बातचीत होने लगती है और उसी के आधार पर नियम-कायदे भी तय हो जाते हैं।

गौरतलब है कि करीब एक महीने तक चलने वाले मानसून सत्र में विपक्ष की ओर से मुख्य रूप से पहलगाम हमले, आपरेशन सिंदूर, संघर्ष विराम में

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता के दावों, बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण, मणिपुर के हालात और चीन के रुख आदि मसलों पर चर्चा कराने पर जोर दिया गया। हालांकि सरकार ने दावा किया कि वह इन सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है। अगर ऐसा है तो यह समझना मुश्किल है कि फिर खींचतान और हंगामे के हालात यहां तक कैसे पहुंचे कि सदन को स्थगित करने की नौबत आई। सरकार और विपक्ष के बीच संसद में आमने-सामने की बहस और सवाल-जवाब एक स्वाभाविक प्रक्रिया है।

अगर सरकार को लगता है कि वह विपक्ष की मांग के मुताबिक सभी विषयों पर बहस के लिए तैयार है, तब आखिर संसद में हंगामे की नौबत क्यों आती है? क्या ऐसा बीच का रास्ता नहीं निकल सकता जिसमें सदन बाधित न हो और संसद का कामकाज सुचारु रूप से चले? विपक्ष अगर चर्चा की मांग करता है, तो सदन को सामान्य रूप से संचालित होने देना और जरूरी मुद्दों पर बहस को लोकतांत्रिक निष्कर्ष तक ले जाना आखिर किसकी जिम्मेदारी है?

देश और नागरिकों के हित से जुड़े व्यापक महत्त्व के सवालों पर लोकसभा और राज्यसभा में चर्चा नहीं होगी तो और कहां होगी? मगर सरकार और विपक्ष जिन मुद्दों पर टकराव की मुद्रा में आ जाते हैं, उसमें यह कैसे तय होगा कि किस सवाल को बहस की प्राथमिकता में सबसे ऊपर रखा जाना चाहिए? सही है कि पहलगाम में हुआ आतंकी हमला और उसके बाद की परिस्थितियां राष्ट्रीय महत्त्व का मसला है। इसी तरह बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण पर जिस तरह के सवाल उठे हैं, उस पर भी तत्काल बात होनी चाहिए।मणिपुर में भी लंबे समय से जिस तरह हिंसा के हालात बने हुए हैं, उसका समाधान भी तुरंत खोजने की जरूरत है। मगर क्या सदन में इसके लिए कोई प्रक्रिया निर्धारित है? विडंबना है कि हंगामे की शोर में जरूरी मुद्दों पर बहस नहीं हो पाती और सदन स्थगित हो जाता है। इस संदर्भ में सदनों की कार्यवाही पर एक दिन के खर्च और उसके बेकार जाने के मसले पर भी काफी सवाल उठते रहे हैं। ऐसे में सरकार और विपक्ष को मिल कर यह सोचने की जरूरत है कि बाधित सदन में जनहित के सवालों के लिए कितनी जगह बची है।

पानी के नीचे बसेगी अनोखी दुनिया, आप चलेंगे मछलियों के साथ

हैदराबाद के प्रसिद्ध नेहरू जूलॉजिकल पार्क चिड़ियाघर में जल्द ही भारत का सबसे बड़ा सुरंग मछलीघर यानी अंडरवाटर

जरा हट के

टनल एक्वेरियम बनने जा रहा है. यह प्रोजेक्ट तेलंगाना सरकार के मीर आलम विकास कार्यक्रम के तहत पूरा किया जा रहा है और पर्यटकों को एक अनोखा समुद्री अनुभव प्रदान करेगा.

यह भारत का पहला और सबसे बड़ा अंडरवाटर टनल एक्वेरियम होगा, जहां विजिटर्स एक ग्लास टनल के अंदर से समुद्री जीवों को करीब से देख सकेंगे इसमें विभिन्न प्रकार की मछलियाँ, शार्क, समुद्री कछुए और अन्य जलीय जीव शामिल होंगे. एडवांस्ड वाटर फिल्ट्रेशन सिस्टम और आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाएगा, ताकि जलीय जीवों को प्राकृतिक वातावरण जैसा महसूस हो. एक्वेरियम के आसपास एजुकेशनल सेक्शन

भी बनाया जाएगा, जहाँ समुद्री जीवन के बारे में जानकारी दी जाएगी यह बच्चों और छात्रों के लिए एक बेहतरीन जगह साबित हो सकती है जहां वो एंजॉय के साथ समुंद्र की जीव के बारे में पढ़ भी सकते है.

ऐसा माना जा रहा है की इस प्रोजेक्ट से हैदराबाद के पर्यटन को नया आयाम मिलेगा और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे. यह एक्वेरियम देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण बन सकता है और एक इनकम का जरिया भी बन जाएगा जिससे हैदराबाद की इकॉनमी को फायदा होगा

तेलंगाना सरकार का लक्ष्य है कि नेहरू जूलॉजिकल पार्क को विश्व स्तरीय चिड़ियाघर के रूप में विकसित किया जाए. इसके लिए पहले भी कई अपग्रेड किए गए हैं, जैसे सफारी पार्क, नॉक्टर्नल एनिमल सेक्शन और बच्चों के लिए इंटरएक्टिव जोन अभी इस प्रोजेक्ट का काम तेजी से चल रहा है और उम्मीद है कि यह जल्द ही पर्यटकों के लिए खोला जाएगा.

काले चने वाला पोहा

काला चना पोहा एक हेल्दी नाश्ता है, इसे बनाना भी काफी आसान है। ये प्रोटीन और फाइबर से भरपूर होता है।

सामग्री :

- काला चना एक कप भीगा हुआ
- पोहा दो कप
- प्याज एक बारीक कटा हुआ
- टमाटर एक बारीक कटा हुआ
- हरी मिर्च स्वादानुसार
- अदरक-लहसुन का पेस्ट एक चम्मच
- कढ़ी पत्ता
- राई आधा चम्मच
- जीरा आधा चम्मच
- हल्दी पाउडर आधा चम्मच
- धनिया पाउडर एक चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर स्वादानुसार
- गरम मसाला आधा चम्मच
- नींबू का रस
- हरा धनिया
- तेल
- नमक स्वादानुसार

विधि :

सबसे पहले रात भर भिगोए हुए काले चने को पका लें। इसकि बाद पोहे को एक छलनी में डालकर पानी से हल्का धो लें। इसे भी दो से तीन मिनट के लिए छोड़ दें ताकि यह थोड़ा नरम हो जाए। अब एक पैन में तेल गरम करें। इसमें राई और जीरे का तड़का लगाएं। बाद में कढ़ी पत्ता और हरी मिर्च डालें। अब बारीक कटा हुआ प्याज डालकर भून लें। इसके बाद सभी मसालों को डालकर भून लें। अब बारीक कटा हुआ टमाटर डालें और नरम होने तक पका लें। इसके बाद उबले हुए काले चने और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इसक बाद पोहा डालें। इसको धीरे-धीरे मिलाएं। ढक्कन लगाकर 2-3 मिनट तक धीमी आंच पर पका लें। अब नींबू का रस और बारीक कटा हरा धनिया डालकर मिलाएं। गरमागरम काला चना पोहा को नारियल की चटनी या अपनी पसंद की चटनी के साथ परोसें। आप ऊपर से थोड़ा बारीक कटा हरा धनिया और सेव भी डालें।

घरेलू उपाय से करें चेहरे से मुंहासे को गायब

चेहरे पर मुंहासों का होना एक ऐसी समस्या है, जिस कारण लोगों का आत्मविश्वास डगमगा जाता है। खासतौर पर जब किसी इवेंट में जाना हो, या फिर किसी का खास दिन हो, तब तो चेहरे पर ये मुंहासे आ ही जाते हैं। इसका कारण खराब खान-पान के साथ-साथ गंदगी और तनाव भी माने जाते हैं। अगर आप भी इस समस्या से जूझ रहे हैं तो हमारे इस लेख को अंत तक पढ़ें। इस लेख में आपको मुंहासे दूर करने का सबसे आसान नुस्खा बताया जा रहा है, जिसको आजमाने के बाद आपका चेहरा खिल उठेगा। खास बात ये है कि इस नुस्खे को ट्राई करने के बाद आपको किसी के साइड इफेक्ट का खतरा नहीं रहेगा।

जरूरी सामग्री

1 चम्मच शुद्ध हल्दी पाउडर
1 चम्मच शुद्ध शहद
1-2 बूंद नींबू का रस

पैक बनाने का तरीका

इन तीनों चीजों के इस्तेमाल से आप मुंहासों को तुरंत गायब कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस एक पैक तैयार करना है। इस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले तो एक साफ बाउल में हल्दी और शहद को अच्छी तरह मिलाएं। अगर आपकी त्वचा बहुत ज्यादा ऑयली है, तो उसमें 1-2 बूंद नींबू का रस भी मिला सकते हैं, वरना आप इसे रहने दें। सभी चीजों को मिक्स करके गाढ़ा पेस्ट बना सें।

ऐसे करें इस्तेमाल

अब जान लेते हैं कि इस पैक को इस्तेमाल कैसे करना है तो उसके लिए सबसे पहले तो चेहरे को हल्के गुनगुने पानी और माइल्ड फेसवॉश से साफ करें ताकि धूल-मिट्टी हट जाए। गंदे चेहरे पर किसी तरह का पैक लगाने का कोई अर्थ नहीं है।

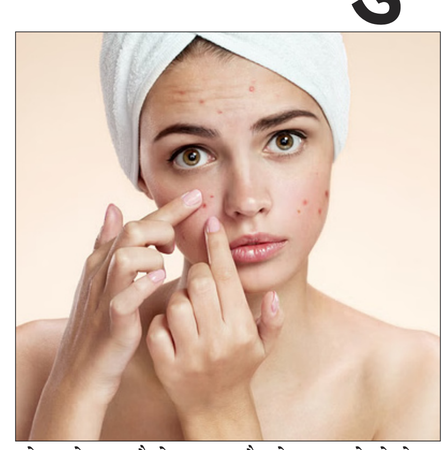

अब चेहरा साफ करने के बाद तैयार पेस्ट को पूरे चेहरे या केवल मुंहासों पर उंगलियों या ब्रश से लगाएं। इसे 15–20 मिनट तक चेहरे पर सूखने दें। इसके बाद अपने चेहरे को सादा पानी से धो लें। इसका असर आपको अपने चेहरे पर दिख जाएगा। इस पैक से मुंहासा काफी हद तक कम हो जाता है।

मिलेंगे ये फायदे

पैक में जो हल्दी का इस्तेमाल हुआ है, उसकी वजह से मुंहासों के बैक्टीरिया को खत्म होंगे, क्योंकि इसमें एंटीबैक्टीरियल और एंटीसेप्टिक गुण होते हैं।

इसमें जो शहद इस्तेमाक किया गया है वो एक नेचुरल मॉइस्चराइज़र है जो त्वचा को हाइड्रेट करता है और सूजन को कम करता है।

नींबू में मौजूद सिट्रिक एसिड त्वचा का अतिरिक्त तेल हटाता है और दाग-धब्बों को हल्का करता है

बरतें ये सावधानियां

यदि आप इस पैक का इस्तेमाल कर रहे हैं तो पहले पैच टेस्ट अवश्य करें। कई बार लोगों की त्वचा को कुछ चीजें सूट नहीं करती हैं। यदि मुंहासे काफी ज्यादा है तो घरेलू नुस्खे आजमाने की जगह आप डॉक्टर की सलाह लें, उससे आपको फायदा मिलेगा।

आज का राशिफल

मेष : घर-बाहर सुख-शांति बने रहेंगे। जीवनसाथी पर आपसी मेहरबानी रहेगी। जल्दबाजी में धनहानि हो सकती है। व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में सुकून रहेगा। निवेश लाभप्रद रहेगा। कार्य बनेंगे। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी। मन की चंचलता पर नियंत्रण रखें।

वृषभ : व्यवसाय ठीक-ठीक चलेगा। स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त से बड़ा लाभ हो सकता है। पार्टनरों का सहयोग समय पर मिलने से प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। प्रतिद्वंद्विता रहेगी। आय में वृद्धि होगी। चोट से बाधा संभव है। दूसरों के काम में दखलंदाजी न करें।

मिथुन : मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। पार्टी व पिकनिक की योजना बनेगी। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। शत्रु सक्रिय रहेंगे। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

कर्क : व्यवसाय से संतुष्टि नहीं रहेगी। आय में कमी तथा नौकरी में कार्यभार रहेगा। बेवजह लोगों से कहासुनी हो सकती है। दु:खद समाचार मिलने से नकारात्मकता बढ़ेगी। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। जल्दबाज न करें। घर-बाहर अशांति रहेगी। कार्य में रुकावट होगी।

सिंह : मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। कर्ज में कमी होगी। संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। अपना प्रभाव बढ़ा पाएंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य न करें। प्रयास सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्य की समस्याएं दूर होंगी।

कन्या : लाभ के अवसर हाथ आएंगे। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। व्यवसाय में जल्दबाजी से काम न करें। चोट व दुर्घटना से बचें। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घर-बाहर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। वस्तुएं संभालकर रखें।

तुला : भाग्य का साथ मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। जुए, सट्टे व लॉटरी के चक्कर में न पड़ें। निवेश शुभ रहेगा। प्रमाद न करें। उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक : आय में निश्चितता रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था नहीं होने से परेशानी रहेगी। व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं। थकान महसूस होगी। अपेक्षित कार्यों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

धनु : बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। बगैर मांगे किसी को सलाह न दें। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। धनार्जन होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। अज्ञात भय व चिंता रहेंगे।

मकर : निवेश शुभ रहेगा। घर-बाहर सहयोग व प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नई योजना बनेगी। सामजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। नौकरी में वर्चस्व स्थापित होगा। आय के स्रोत बढ़ सकते हैं। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

कुंभ : मित्र व संबंधी सहायता करेंगे। आय बनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। छोटी सी गलती से समस्या बढ़ सकती है। किसी सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। दूसरे के काम में दखल न दें।

मीन : लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। मातहतों का सहयोग मिलेगा। पूजा-पाठ व सत्संग में मन लगेगा। आत्मशांति रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। जोखिम न लें। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। पुराना रोग बाधा का कारण रहेगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

गेंदे के फूल से पाएं गुलाबी निखार!

इसमें छिपा है ब्यूटी सीक्रेट

घर बैठे बनाएं देसी स्किन ग्लोइंग किट

गेंदा एक ऐसा फूल है जिसे हर शुभ काम के लिए इस्तेमाल किया जाता है. पूजा हो या शादी, इसके बिना अधूरी है. दिवाली पर घर की सजावट भी सबसे ज्यादा इन्हीं फूलों से होती है. इन्हें घर पर उगाना बेहद आसान है लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह फूल चेहरे की रंगत को निखारने के लिए भी काम आता है. यह फूल स्किन के लिए बहुत बेहतरीन है.

दाग-धब्बे होते दूर

इस फूल में एंटीबैक्टीरियल, एंटी-इंफ्लामेटरी, एंटीऑक्सीडेंट और सूदिंग प्रॉपर्टीज हैं. इससे स्किन हेल्थ अच्छी रहती है और वह फ्लॉलेस दिखती है. गेंदे के फूल में स्किन ब्राइटनिंग गुण होते हैं, जो स्किन के डार्क स्पॉट्स, टैनिंग और पिगमेंटेशन को कम करने में मदद करते हैं. इससे स्किन टोन ईवन होती है और ग्लो करने लगती है. इसके अलावा एंटीसेप्टिक प्रॉपर्टीज होने की वजह से यह एक्ने और पिंपल्स को कम करने में मदद करता है. इससे स्किन क्लीयर होने लगती है.

स्किन को बनाए सॉफ्ट, सूजन करे कम

गेंदे की पंखुड़ियों से बना सीरम स्किन को डीपली हाइड्रेट करता है. ये ड्राई और रफ स्किन को सॉफ्ट, स्मूद और हेल्दी बनाता है. अगर रैशेज, रेडनेस या जलन की समस्या है, तो इस फूल से फायदा होता है क्योंकि इससे ठंडक मिलती है. अगर स्किन पर घाव हो या कट गया हो, तब भी इससे आराम मिलता है.

झुर्रियां नहीं सतातीं

आजकल स्ट्रेस, प्रदूषण, कम नींद और सूरज की अल्ट्रावायलेट किरणों की वजह से एजिंग समय से पहले होने लगती है. वहीं स्किन भी डैमेज होती है. ऐसे में गेंदे के फूल त्वचा को रिपेयर करते हैं और एजिंग की रफ्तार को कम करते हैं. इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट स्किन कोशिकाओं को फ्री रेडिकल्स से बचाते हैं, जिससे चेहरे पर फाइन लाइंस, रिंकल्स देर से नजर आते हैं. वहीं गेंदे के फूल में मौजूद फ्लेवोनॉइड्स स्किन को सूरज की हानिकारक किरणों से बचाने का काम करते हैं.

फेस पैक से मिनटों में चेहरा चमक उठेगा

ब्यूटी एक्सपर्ट सबरीना खान कहती हैं कि चेहरे पर इंस्टेंट ग्लो के लिए गेंदे का फेस बनाएं. इसके लिए एक गेंदे की 9 ये 12 पंखुड़ियां लें. इन्हें धोकर अच्छे से पीस लें. अब इसमें 1 चम्मच बेसन, 2 चम्मच कच्चा दूध और 1 चम्मच गुलाबजल मिक्स कर लें. इसका पेस्ट 15 मिनट के लिए चेहरे पर लगा लें. जब यह सूख जाए तो चेहरे को पानी से धो लें.

हजारों साल पुराना है शिव का यह मंदिर

उत्तर प्रदेश की धरती पर बसे प्राचीन नगर कन्नौज को इत्र की खुशबू, ऐतिहासिक धरोहरों और आध्यात्मिक स्थलों के लिए जाना जाता है, इन्हीं आध्यात्मिक स्थलों में एक पावन धाम है गौरीशंकर मंदिर, जो शिव और शक्ति की एकता का जीवंत प्रतीक है. यह मंदिर सिर्फ ईंट-पत्थरों की संरचना नहीं, बल्कि आस्था, श्रद्धा और इतिहास की जीवंत मिसाल है. कन्नौज शहर के बीचों-बीच स्थित गौरीशंकर मंदिर, श्रद्धालुओं के लिए एक पवित्र धाम है, जहां भगवान शिव और माता पार्वती (गौरी) की उपासना साथ-साथ होती है. यह मंदिर सदियों पुराना है और माना जाता है कि यहां का शिवलिंग स्वयंभू है. श्रावण मास में जब भोलेनाथ के भक्त कांवर लेकर आते हैं, तो यह मंदिर भक्ति

और श्रद्धा से गूंज उठता है. सोमवार को विशेष दर्शन, महाशिवरात्रि पर विशाल मेला और श्रृंगार आरती इस मंदिर की विशेषता है. यहां दर्शन करने मात्र से मन को शांति मिलती है. गौरीशंकर मंदिर का महत्व इस बात से भी बढ़ जाता है कि यहां गौरी और शंकर एक ही गर्भगृह में विराजमान हैं. यह विवाह और गृहस्थ जीवन की सिद्धि का प्रतीक माना जाता है. कई भक्त यहां आकर संपत्ति, संतान, विवाह और कष्टों की निवृत्ति के लिए विशेष पूजा करते हैं.

एक हज़ार पुजारी करते थे पूजा

यहां के पुजारी की मानें तो राजा हर्षवर्धन काल में यहां पर 1000 पुजारी पूजा किया करते थे. उसके बाद राजा जयचंद का राज शुरू हुआ, तो जयचंद की पुत्री संयोगिता प्रतिदिन यहां पर पूजा करने के लिए आई थी. मंदिर के महंत अंजू दीक्षित बताते हैं कि कन्नौज में यह सिद्ध पीठ बाबा गौरीशंकर का मंदिर अति प्राचीन है. इस मंदिर का वर्णन कई प्राचीन ग्रंथो में किया गया है. गौरी मुखी यह शिवलिंग स्वयंभू माना जाता है. इस शिवलिंग को छठवीं शताब्दी का भी एक विदेशी नागरिक के द्वारा बताया गया था, लेकिन यह उससे भी पहले का है. राजा हर्षवर्धन, राजा जयचंद सहित तमाम राजाओं ने यहां पर भगवान गौरी शंकर की पूजा की है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

मां पर हुए हमले का बेटे ने 10 साल बाद लिया बदला, युवक को पीट-पीटकर मारा डाला

लखनऊ. यूपी की राजधानी लखनऊ से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां पुलिस ने इंदिरानगर में 19 मई को नारियल पानी विक्रेता पीट-पीटकर हुई हत्या का खुलासा किया है। आरोपी ने 10 साल पहले मां पर हुए हमला का बदला लेने के लिए इस घटना को अंजाम दिया था। पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी संग पांच युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस उपायुक्त पूर्वी शशांक सिंह के मुताबिक साल 2015 में मनोज ने सोनू कश्यप की मां पर हमला किया था। उस समय दोनों एक ही मकान में किराए पर रहते थे। 10 साल बाद जब मई में सोनू ने मनोज को ठेला लगाए देखा तो हत्या की साजिश रची। दोस्तों के साथ मिलकर उस पर लोहे के राड और डंडे से हमला किया था। इलाज के दौरान मनोज की मौत हो गई थी। गिरफ्तार आरोपितों में गुडंबा कल्याणपुर का रहने वाला सोनू कश्यप उर्फ अनूप कुमार, आदिलनगर का सन्नी कश्यप, विकासनगर का सलामू, रंजीत कुमार और रहमत अली है। आरोपितों को सीसी फुटेज के आधार पर गिरफ्तार किया है।

खरीदारी को निकलीं 2 महिलाओं पर सांड़ ने किया हमला, बाजार में भगदड़ जैसे हालात

बहराइच. यूपी के बहराइच जिले में नानपारा कस्बे में सोमवार देर शाम खरीदारी को निकलीं दो महिलाओं पर छुट्टा सांड़ ने हमला कर दिया। सांड़ ने दोनों महिलाओं को मरणासन्न कर दिया। बाज़ार में भगदड़ जैसे हालात बन गए। नागरिकों ने कड़ी मशक्कत कर सांड़ को खदेड़ा। गंभीरावस्था में दोनों महिलाओं को नानपारा सीएचसी लाए जाने पर डॉक्टरों ने भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया है। मोतीपुर थाने के मिहीपुरवा, छोटा दरोगापुरवा गुरुद्वारा कॉलोनी निवासिनी कुददूसुन(26) पुत्री गफ्फार, हसीना(35) पत्नी शोएब नानपारा में अपनी किसी रिश्तेदारी में आई थी।

लखनऊ के होटल में वेटर की हत्या

लखनऊ. लखनऊ में सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां चिनहट के विकल्प खंड स्थित ईशान इन होटल में ठहरी महिला दोस्त को लेने आए युवक ने रविवार देर रात कहासुनी के बाद वेटर की गोली मार कर हत्या कर दी। वेटर के गले में गोली लगी थी। आरोपित को चिनहट पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पुलिस के मुताबिक, विकल्प खंड स्थित ईशान इन होटल में गोरखपुर निवासी एक युवती ठहरी थी। युवती को लेने मटियारी कांतिपुरम निवासी दोस्त् आकाश तिवारी लेने आया। जो को मूलरूप से अयोध्या के गोसाईगंज का रहने वाला है। आकाश का सुल्तानपुर के जयसिंहपर निवासी वेटर दिवाकर यादव (20) से कहासुनी हो गई। इसके बाद आकाश युवती को लेकर चला गया। कुछ देर बाद आकाश युवती को लेकर वापस आया और गालियां देते हुए दिवाकर को गोली मार दी। गले में गोली लगने से दिवाकर खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़े और मौत हो गई।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा मंजूर

- संसद भी नहीं पहुंचे
- विदाई समारोह में शामिल नहीं होंगे
- विपक्ष बोला- वजह स्वास्थ्य नहीं कुछ और है

नई दिल्ली. उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस्तीफा मंजूर कर लिया। यह जानकारी राज्यसभा में पीठासीन घनश्याम तिवाड़ी ने दी। धनखड़ आज सदन की कार्यवाही में भी शामिल नहीं हुए। सुबह 11 बजे अपर सदन की कार्यवाही की शुरुआत JDU सांसद हरिवंश ने की। इससे पहले खबर आई थी कि जगदीप इस्तीफा वापस नहीं लेंगे। ना ही विदाई समारोह में शामिल होंगे। उधर, PM मोदी ने कहा कि मैं उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं।

देश के 14वें उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई की रात अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। 74 साल के धनखड़ का कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक का था। उन्होंने 10 जुलाई को एक कार्यक्रम में कहा था, 'ईश्वर की कृपा रही तो अगस्त, 2027 में रिटायर हो जाऊंगा।'

राष्ट्रपति को पत्र में उन्होंने लिखा- स्वास्थ्य की प्राथमिकता और डॉक्टरी सलाह का पालन करते हुए मैं भारत के उपराष्ट्रपति पद से तत्काल प्रभाव से त्यागपत्र दे रहा हूं।

पत्र में उन्होंने राष्ट्रपति को उनके सहयोग और सौहार्दपूर्ण संबंधों के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही प्रधानमंत्री और मंत्रिमंडल को भी सहयोग के लिए आभार जताया। 2022 में जगदीप धनखड़ ने 14वें उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी। 6 अगस्त 2022 को हुए उप राष्ट्रपति के चुनाव में धनखड़ ने विपक्ष की उम्मीदवार मार्गरेट अल्वा को हराया था। धनखड़ को कुल 725 में से 528 वोट मिले थे, जबकि अल्वा को 182 वोट मिले थे।

इस समय संसद का मानसून सत्र चल रहा है। उपराष्ट्रपति राज्यसभा के सभापति होते हैं। सत्र के बीच में पद से इस्तीफा देने वाले धनखड़ पहले उपराष्ट्रपति हैं।

देश के पहले उपराष्ट्रपति जिनके खिलाफ महाभियोग लाया गया था

- देश में 72 साल के संसदीय लोकतंत्र के इतिहास में धनखड़ पहले ऐसे राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति रहे, जिनके खिलाफ दिसंबर 2024 महाभियोग प्रस्ताव लाया था। जो बाद में तकनीकी कारणों से खारिज हो गया था।
- विपक्ष धनखड़ पर पक्षपात का आरोप लगाता रहा था। विपक्ष का दावा था कि वह सिर्फ विपक्ष की आवाज व उनके सांसदों द्वारा उठाए गए सवालों को दबाते हैं।
- धनखड़ के पिछले कार्यकाल को देखें तो कई अहम पदों पर रहे, लेकिन वे अपना कार्यकाल पूरा होते नहीं देख पाए। एक बार विधायक के तौर पर उनके पांच साल एकमात्र अपवाद है।

मिग-21 फाइटर जेट अब होगा रिटायर

- 1963 में एयरफोर्स में शामिल हुआ
- 3 जंग में शामिल रहा
- अब तक 400 से ज्यादा क्रैश

नई दिल्ली. भारतीय वायुसेना (IAF) में 62 सालों तक सर्विस देने के बाद मिग-21 लड़ाकू विमान 19 सितंबर को रिटायर होगा। चंडीगढ़ एयरबेस में फाइटर जेट का विदाई कार्यक्रम होगा। इसके बाद विमान की सेवाएं आधिकारिक तौर पर खत्म हो जाएंगी।

मिग-21 जेट 1963 में पहली बार भारतीय वायुसेना में शामिल किया गया था। यह भारत का पहला सुपरसोनिक जेट था यानी ये आवाज की गति (332 मीटर प्रति सेकेंड) से तेज उड़ सकता था।

फाइटर जेट की आखिरी 2 स्क्वाड्रन (36 मिग-21) राजस्थान के बीकानेर में नाल एयरबेस पर तैनात हैं। इन्हें नंबर 3 स्क्वाड्रन कोबरा और नंबर 23 स्क्वाड्रन पैंथर्स के नाम से जाना जाता है।

मिग-21 जेट ने 1965 के भारत-पाक युद्ध, 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम, 1999 के कारगिल युद्ध और 2019 की बालाकोट एयर स्ट्राइक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अब इसकी जगह तेजस Mk1A फाइटर एयरक्राफ्ट लेंगे।

रक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 400 से ज्यादा मिग-21 विमान क्रैश हुए हैं। इसमें 200 से ज्यादा पायलट मारे गए गए हैं। इसी वजह से फाइटर प्लेन को 'उड़ता ताबूत' और 'विडो मेकर' कहा जाता है।

कुल 900 मिग-21 जेट खरीदे, अब केवल 36 बचे

भारत ने कुल 850 से ज्यादा मिग-21 फाइटर जेट खरीदे थे। इनमें से करीब 660 हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) ने देश में ही बनाए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस समय भारतीय वायुसेना के बेड़े में सिर्फ 36 मिग-21 फाइटर जेट बचे हैं। बाद इसने कई दशकों तक बेहतरीन सेवा दी। बालाकोट एयर स्ट्राइक में विंग कमांडर अभिनंदन का MiG क्रैश हुआ था. फरवरी 2019 पुलवामा अटैक में भारत के 40 जवान शहीद हुए थे। इसके 2 हफ्ते बाद 26 फरवरी को वायुसेना ने मिग जेट्स से बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी कैंप पर एयर स्ट्राइक की थी।

भारत में रूसी महिला बच्चे के साथ लापता

नई दिल्ली. केंद्र सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि भारतीय पति के साथ बच्चे की कस्टडी विवाद में फंसी रूसी महिला गैर-कानूनी तरीके से भारत से रूस भाग गई है। मामले की सुनवाई जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच कर रही है।

एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (ASG) ऐश्वर्या भाटी ने कहा- 7 जुलाई से लापता महिला पहले बिहार गई, वहां से नेपाल पहुंची। इसके बाद फ्लाइट के जरिए UAE के शारजाह गई और फिर वहां से रूस चली गई।

ASG ने कहा कि हमारे पास महिला का बोर्डिंग पास है। हमें नेपाल की एयरलाइन से कन्फर्मेशन का इंतजार है, क्योंकि जांच जारी है। ट्रैवलिंग हिस्ट्री की जानकारी के लिए थोड़ा और समय चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और दिल्ली सरकार से रूसी महिला को ढूंढने का आदेश देते हुए उसके लिए लुकआउट नोटिस जारी करने का निर्देश दिया था।

कोर्ट ने कहा था कि रूसी महिला विक्टोरिया देश छोड़कर नहीं जानी चाहिए। कोर्ट ने मां और बच्चे को ढूंढकर, बच्चे को उसके भारतीय पिता सैकत बसु को सौंपने का आदेश दिया था।

कोर्ट को बताया गया था कि रूसी महिला और बच्चा जंगल में गायब हो गए हैं।

भारतीय सेना को अमेरिका से अपाचे हेलिकॉप्टर की पहली खेप मिली

- 3 हेलिकॉप्टर अमेरिका से हिंडन एयरबेस पर लाए गए
- रेतीला रंग छिपने में मददगार

हिंडन. भारतीय सेना को अमेरिका से तीन अपाचे AH-64E हेलिकॉप्टरों की पहली खेप मिल गई। सेना ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। इन्हें अमेरिका से एंटोनोव ट्रांसपोर्ट विमान में गाजियाबाद जिले के हिंडन एयर बेस लाया गया।

सेना के मुताबिक, सौदे के तहत 6 अपाचे गार्डियन हेलिकॉप्टर मिलने हैं। 3 आ चुके हैं। इन्हें रेत जैसे रंग से रंगा गया है, इससे रेगिस्तानी इलाकों में छिपने में मदद मिलती है। इन हेलिकॉप्टर्स से सेना के हमला करने और ऑपरेशनल क्षमता में काफी इजाफा होगा।

पाकिस्तान से सटी सीमा पर तैनात

अपाचे हेलिकॉप्टर को पाकिस्तान के साथ लगी पश्चिमी सीमा के पास जोधपुर में तैनात किया जाएगा। भारतीय थल सेना को पहली बार अपाचे हेलिकॉप्टर मिले हैं। ये हेलिकॉप्टर दुनिया के सबसे एडवांस लड़ाकू हेलिकॉप्टरों में से हैं। भारतीय वायुसेना के पास पहले से ही 22 अपाचे हेलिकॉप्टर हैं। अपाचे अटैक हेलिकॉप्टर की दो स्क्वाड्रन पाकिस्तान और चीन सीमा पर मोर्चे पर तैनात हैं। अमेरिका ने 2020 में वायुसेना को 22 अपाचे हेलिकॉप्टर डिलीवर किए थे।

हवाई टैंक कहलाते हैं अपाचे हेलिकॉप्टर

अपाचे हेलिकॉप्टर को ₹हवाई टैंकर₹ कहा जाता है। भारतीय सेना ने भारत में अपाचे हेलिकॉप्टरों की पहली तस्वीरें शेयर करते हुए कहा, ₹भारतीय सेना के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण, क्योंकि सेना के लिए अपाचे हेलिकॉप्टरों का पहला बैच आज भारत पहुंचा। ये अत्याधुनिक प्लेटफॉर्म भारतीय सेना की ऑपरेशनल क्षमताओं को मजबूत करेंगे।

पहले पार्टी में अपनी हैसियत देखो...

- कांग्रेस नेता मुरलीधरन के कटाक्ष पर शशि थरूर का पलटवार

नई दिल्ली. कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर को लेकर पार्टी में खींचतान जारी है। कुछ दिन पहले पूर्व कांग्रेस सांसद के. मुरलीधरन ने थरूर की तीखी आलोचना की थी। मंगलवार को थरूर ने उसका करारा जवाब दिया। कहा कि इस तरह की टिप्पणियां करने वालों को पहले यह देखना चाहिए कि उनकी पार्टी में हैसियत क्या है?

दरअसल, केरल कांग्रेस के दिग्गज नेता के. मुरलीधरन ने रविवार को एक विवादास्पद बयान में कहा था कि जब तक थरूर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर अपना रुख नहीं बदलते, तब तक उन्हें तिरुवनंतपुरम में किसी पार्टी कार्यक्रम में नहीं बुलाया जाएगा। मुरलीधरन ने यह भी कहा था कि अब थरूर को ₹हम में से एक₹ नहीं माना जाता।

थरूर का पलटवार

इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए थरूर ने संवाददाताओं से कहा, "सबसे पहले, मैं कहना चाहता हूं कि जो लोग ऐसा कह रहे हैं, उनके पास ऐसा कहने का कोई आधार होना चाहिए। वे कौन हैं? पार्टी में उनकी भूमिका क्या है? मैं जानना चाहता हूं।" थरूर का यह बयान साफ संकेत देता है कि पार्टी के भीतर मतभेद अब खुलकर सामने आ रहे हैं, खासकर केरल में कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति को लेकर।

जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रक्रिया शुरू

सरकार-विपक्ष के 215 सांसद एकजुट

- आजाद भारत में ऐसा पहली बार
- जज के घर जले नोटों के ढेर मिले थे

नई दिल्ली. कैश कांड में फंसे जस्टिस यशवंत वर्मा को हटाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। 21 जुलाई को मानसून सत्र के पहले दिन संसद के दोनों सदनों में उनके खिलाफ महाभियोग के नोटिस पीठासीन अधिकारियों को सौंपे गए। इन पर पक्ष-विपक्ष के 215 सांसदों (लोकसभा में 152 और राज्यसभा में 63) के हस्ताक्षर हैं।

महाभियोग प्रस्ताव को भाजपा, कांग्रेस, TDP, JDU, CPM और अन्य दलों के सांसदों का समर्थन मिला है। साइन करने वालों में सांसदों में राहुल गांधी, अनुराग ठाकुर, रविशंकर प्रसाद, राजीव प्रताप रूडी, सुप्रिया सुले, केसी वेणुगोपाल और पीपी चौधरी जैसे सांसद भी शामिल हैं।

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने सदन में इसकी जानकारी दी थी। स्वतंत्र भारत में पहली बार हाईकोर्ट के किसी कार्यरत जज के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव आया है।

अब आगे क्या...

जांच समिति बनेगी: अब संसद अनुच्छेद 124, 217, 218 के तहत जांच करेगी। न्यायाधीश जांच अधिनियम 1968 की धारा 31बी के मुताबिक जब एक ही दिन दोनों सदनों में महाभियोग नोटिस देते हैं तो संयुक्त जांच समिति का बनती है।

तीन महीने में रिपोर्ट: समिति में सुप्रीम कोर्ट के एक वरिष्ठ जज, किसी हाईकोर्ट के मौजूदा चीफ जस्टिस और एक प्रतिष्ठित न्यायविद होंगे। समिति जस्टिस वर्मा पर लगे आरोपों की जांच करेगी और रिपोर्ट तीन महीने में देगी।

संसद में देंगे रिपोर्ट: समिति जांच रिपोर्ट संसद में देगी। दोनों सदन चर्चा करेंगे। जस्टिस वर्मा को हटाने के प्रस्ताव पर मतदान होगा।

जस्टिस वर्मा के लुटियंस स्थित बंगले पर 14 मार्च की रात आग लगी थी। इसे अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने बुझाया था। घटना के वक्त जस्टिस वर्मा शहर से बाहर थे। 21 मार्च को कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि जस्टिस वर्मा के घर से 15 करोड़ कैश मिला था। काफी नोट जल गए थे।

टीम इंडिया मैनचेस्टर टेस्ट में करेगी 2 बदलाव

- रेड्डी और आकाशदीप इंजर्ड
- कम्बोज कर सकते हैं डेब्यू
- शार्दूल की वापसी संभव

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट की प्लेइंग-11 में टीम इंडिया कम से कम 2 बदलाव तो जरूर करेगी। लॉर्ड्स टेस्ट खेलने वाले आकाशदीप और नीतीश कुमार रेड्डी इंजर्ड हो गए हैं। ऐसे में दोनों प्लेइंग-11 से बाहर होंगे। उनकी जगह प्रसिद्ध कृष्णा, शार्दूल ठाकुर और अंशुल कम्बोज में से किन्हीं 2 प्लेयर्स को मौका मिल सकता है। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में चौथा टेस्ट 23 जुलाई को दोपहर 3.30 बजे से शुरू होगा। इंग्लैंड ने पहला और तीसरा टेस्ट जीतकर सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है। भारत ने दूसरा मुकाबला जीता था।

टॉप ऑर्डर में करुण नायर की जगह तय नहीं

यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ही चौथे टेस्ट में भी ओपनिंग करते नजर आएंगे। राहुल सीरीज में 2 सेंचुरी लगा चुके हैं, उन्होंने लॉर्ड्स में भी शतक लगाया था। वहीं यशस्वी के नाम भी सीरीज में एक सेंचुरी है। हालांकि, नंबर-3 पोजिशन पर खेलने वाले करुण नायर बाहर हो सकते हैं।

नायर सीरीज की 6 पारियों में एक फिफ्टी तक नहीं लगा सके। उनका बेस्ट स्कोर 40 रन है। ऐसे में टीम मैनेजमेंट को फैसला लेना है कि उन्हें एक और मौका दिया जाए या नहीं। अगर करुण को बाहर किया गया तो साई सुदर्शन या ध्रुव जुरेल को मौका मिल सकता है। सुदर्शन ने पहला टेस्ट खेला था, लेकिन बाकी 2 मुकाबलों में उन्हें बाहर बैठाया गया। वहीं जुरेल ने पिछले मुकाबले में ऋषभ पंत के इंजर्ड होने के बाद विकेटकीपिंग की थी।

मिडिल ऑर्डर में जुरेल की वापसी संभव

ऋषभ पंत लॉर्ड्स टेस्ट में विकेटकीपिंग करने के दौरान इंजर्ड हो गए थे। ऐसे में वे चौथे टेस्ट में विकेटकीपर की भूमिका नहीं निभा पाएंगे। कप्तान शुभमन गिल नंबर-4 और पंत नंबर-5 पर बैटिंग करते हैं। नंबर-6 पोजिशन पर पिछले मुकाबले में रवींद्र जडेजा को मौका मिला था।

कहां ले जाई जा रही थीं 56 लड़कियां!

- रेलवे की टिकट चेकिंग में खुल गया बड़ा राज

सिलीगुड़ी. पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में 56 लड़कियों को रेलवे पुलिस ने बचाया है और दो लोगों को अरेस्ट किया गया है। इन लड़कियों को न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन से बचाया गया। अधिकारियों ने बताया कि इन युवतियों को टिकट चेकिंग के दौरान पकड़ा गया तो पता चला कि इन्हें जानकारी भी नहीं है कि आखिर इन्हें कहां ले जाया जा रहा है। इनती सारी लड़कियों को एक साथ यात्रा करते देखकर संदेह हुआ। जांच पर पता चला कि इन लोगों को बेंगलुरु में नौकरी दिलाने का वादा किया गया था। ऐसे में सवाल है कि बेंगलुरु में नौकरी का वादा था तो फिर बिहार क्यों ले जाया जा रहा था।

अधिकारियों ने बताया कि इन युवतियों को सोमवार देर रात न्यू जलपाईगुड़ी-पटना कैपिटल एक्सप्रेस से बचाया गया। बचाई गई इन युवतियों की आयु 18 से 31 वर्ष के बीच है। अधिकारियों ने बताया कि ये महिलाएं पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी, कूचबिहार और अलीपुरद्वार जिलों की रहने वाली हैं और उन्हें बेंगलुरु की एक कंपनी में नौकरी दिलाने का कथित तौर पर झूठा वादा करके बहकाया गया था। उन्होंने बताया कि उन्हें ट्रेन से बिहार भेजा जा रहा था। अधिकारियों ने बताया कि किसी भी महिला के पास वैध टिकट नहीं था और उनके हाथों पर केवल कोच एवं बर्थ संख्या की मुहर लगी हुई थी।

महिला-पुरुष गिरफ्तार

उन्होंने बताया कि रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) कर्मियों को ट्रेन की नियमित जांच के दौरान इतनी सारी युवतियों को एक साथ यात्रा करते देखकर संदेह हुआ। इसके बाद में पूछताछ हुई तो गंभीर विसंगतियां सामने आईं। अधिकारियों ने बताया कि एक पुरुष और एक महिला को विरोधाभासी बयान देने पर मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपी यह स्पष्ट नहीं कर पाए कि जब महिलाओं को बेंगलुरु में नौकरी दिलाने का वादा किया गया था तो उन्हें बिहार क्यों भेजा जा रहा था।

मानव तस्करी का संदेह, जांच में जुटा प्रशासन

अधिकारियों ने बताया कि वे नौकरी की पेशकश या यात्रा के वैध कारणों की पुष्टि करने वाले कोई भी दस्तावेज पेश करने में विफल रहे। उन्होंने बताया कि जीआरपी और राजकीय रेलवे पुलिस (आरपीएफ) खासकर मानव तस्करी के पहलू से मामले की संयुक्त रूप से जांच कर रहे हैं। आरपीएफ ने बताया कि लड़कियों को उनके परिवारों को सौंप दिया गया है।

कांवड़ यात्रा मार्ग पर दुकानों पर लगाना होगा QR कोड

कांवड़ यात्रा मार्ग पर योगी सरकार का आदेश सुप्रीम कोर्ट ने बताया सही

नई दिल्ली. कांवड़ यात्रा को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत का कहना है कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित दुकानों में क्यूआर कोड लगाने के फैसले के सही करार दिया है। योगी आदित्यनाथ सरकार की तरफ से यह आदेश दिया गया था, जिसे प्रोफेसर अपूर्वानंद समेत कई लोगों ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। इसी पर अदालत का कहना है कि दुकानदारों को क्यूआर कोड और अपना लाइसेंस लगाना चाहिए। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। इस तरह यूपी सरकार की ओर से जारी आदेश जारी रहेगा। हालांकि इस फैसले का अब कोई खास असर नहीं होगा।

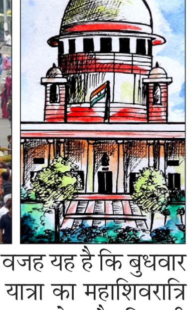

इसकी वजह यह है कि बुधवार को कांवड़ यात्रा का महाशिवरात्रि के साथ समापन होना है। फिर भी अदालत का यह फैसला आने वाले सालों के लिए लागू हो सकता है। योगी सरकार ने बीते साल भी एक आदेश जारी किया था, जिसमें कहा गया था कि दुकानदारों को अपना नाम बोर्ड पर लिखना होगा। इसे लेकर भी अदालत का रुख किया गया था और तब सुप्रीम कोर्ट ने उस फैसले को गलत करार दिया था।

हालांकि तब भी फैसला आते-आते कांवड़ यात्रा का समापन हो गया था। फिर भी अदालत का आदेश ऐसे मामलों में भविष्य के लिए एक नजीर होता है।

नौकरी के नाम पर तीन महिलाओं के साथ दरिंदगी ; 62 साल के आरोपी के खिलाफ केस दर्ज

मुंबई. नौकरी के नाम पर तीन महिलाओं के साथ दरिंदगी की दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है. यहां 62 साल के एक शख्स ने नौकरी दिलाने के नाम पर दो नाबालिग लड़कियों को बंधक बनाया. उनको शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया. यौन उत्पीड़न करके उनकी अश्लील तस्वीरें खींची. इसी तरह उसने तीसरी महिला को भी अपनी हवस का शिकार बनाया. एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि तीनों पीड़ितों की शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है.

आम सूचना

मैं श्री दयाल तोलाराम गुरबानी इस आम सूचना द्वारा सभी को सूचित कर रहा हूं और मैं अपने पूरे होश में यह जाहिर कर रहा हूं कि मैं अपने बड़े पुत्र श्री जीतेश दयाल गुरबानी को अपनी जायदाद और चल अचल संपत्ति से बेदखल कर रहा हूं। आज के बाद मेरे पुत्र श्री जीतेश दयाल गुरबानी का मुझसे कोई वास्ता या संबंध नहीं रहेगा। जिस कारण मेरी किसी भी जायदाद, बैंक, नकद अथवा सोने के जेवरात आदि पर किसी भी तरह का हक्क वास्ता उसका नहीं होगा। अगर मेरे बेटे श्री जीतेश दयाल गुरबानी से कोई भी किसी भी प्रकार का व्यवहार करता है जैसे पैसे की लेन-देन, लोन अथवा अन्य किसी भी लेने देन में शामिल है तो वो अपनी जिम्मेदारी पर करेगा। मेरा उसमें कोई भी वास्ता नहीं होगा।

सही/-
श्री दयाल तोलाराम गुरबानी
बैरक नं. 306 के सामने, रुम नं. 7,
झूलेलाल मंदिर रोड, उल्हासनगर-2.

आम सूचना

हम श्रीमती आशा तिर्थदास चिचीरिया व श्रीमती जया प्रकाशलाल आहुजा सभी को सूचित कर रहे हैं रुम, बैरक नं. 868, रुम नं. 1 के पास, सेक्शन 19, उल्हासनगर- 3. (टैक्स नं. 32सीओ020881100) उक्त प्रॉपर्टी श्री सुनिल दयालदास कुकरेजा के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 5.7.2025 सी.नं. 426/2025 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती आशा तिर्थदास चिचीरिया व श्रीमती जया प्रकाशलाल आहुजा

संक्षेप...

पूरी की बोइंग विमानों की सेफ्टी जांच

मुंबई. एयर इंडिया और उसकी सब्सिडियरी एयर इंडिया एक्सप्रेस ने अपने बेड़े में मौजूद सभी बोइंग 787 और बोइंग 737 विमानों की फ्यूल कंट्रोल स्विच लॉकिंग मैकेनिज्म की जांच पूरी कर ली है. यह जांच नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के 14 जुलाई 2025 को जारी निर्देशों के तहत की गई थी. एयर इंडिया ने यह प्रक्रिया पहले ही 12 जुलाई से स्वेच्छा से शुरू कर दी थी और नियामक द्वारा तय समयसीमा के भीतर इसे पूरा भी कर लिया.बोइंग 737 विमान एयर इंडिया एक्सप्रेस के बेड़े का हिस्सा हैं, जो एयर इंडिया की कम लागत वाली एयरलाइन है. जांच के दौरान किसी भी प्रकार की खराबी या तकनीकी समस्या नहीं पाई गई है. एयर इंडिया ने यह जानकारी औपचारिक रूप से डीजीसीए को भी दे दी है. दोनों एयरलाइनों द्वारा इस तरह की त्वरित और समयबद्ध कार्रवाई से यात्रियों की सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्धता स्पष्ट होती है.

मराठी भाषा विवाद के बीच महाराष्ट्र के गवर्नर ने चेताया

मुंबई. महाराष्ट्र में जारी मराठी बनाम हिन्दी भाषा विवाद के बीच राज्य के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा है कि भाषा विवाद की वजह से हिंसा की घटनाएँ राज्य में निवेश पर बुरा असर डाल सकती हैं। उन्होंने आगाह किया कि अगर ऐसा हुआ तो इससे महाराष्ट्र को दीर्घकालिक रूप से नुकसान होगा। उन्होंने यह भी कहा कि सभी की मातृभाषा का सम्मान किया जाना चाहिए।

अपनी बात को और अधिक स्पष्ट करने के लिए गवर्नर राधाकृष्णन ने तमिलनाडु में सांसद रहने के दौरान हुई एक घटना भी साझा की, जहां उन्होंने कुछ इसी तरह का भाषा विवाद और मारपीट की घटना देखी थी। उन्होंने कहा, ₹जब मैं तमिलनाडु में सांसद था, तो एक दिन हाईवे पर मैंने कुछ लोगों को किसी को पीटते हुए देखा। मैंने तुरंत अपने ड्राइवर से गाड़ी रोकने को कहा और खुद गाड़ी से उतर गया। मुझे देखकर, जो लोग पीट रहे थे, वे भाग गए और जो लोग पिट रहे थे, वे वहीं खड़े रहे। मैंने उनसे पूछा कि समस्या क्या है, तो वे हिंदी में बता रहे थे और मैं सिर्फ मार-मार समझ पा रहा था। मैंने होटल मालिक को बुलाया और उससे पूछा, तो उसने मुझे बताया कि वे तमिल नहीं जानते, वे लोग उन्हें पीटने की कोशिश कर रहे थे और उनसे सिर्फ तमिल में बात करने को कह रहे थे।

अगर आप आकर मुझे पीटेंगे, तो क्या...

इससे आगे राधाकृष्णन ने कहा, "अगर आप आकर मुझे पीटेंगे, तो क्या मैं तुरंत मराठी में बात करने लगूंगा? यह नामुमकिन है। मैंने उन लोगों से माफी मांगी... उन्हें खाने का पैसा दिया और गाड़ी में उन्हें बैठाने के बाद ही वहाँ से गया।"

नफरत फैलाएँगे, तो कौन सा निवेशक आएगा?

इस घटना को साझा करने की वजह बताते हुए उन्होंने कहा कि इस तरह की नफरत की घटनाओं को देखकर निवेशक राज्य में निवेश करने नहीं आएंगे, जिससे लंबे समय में महाराष्ट्र को नुकसान होगा। उन्होंने कहा, "मैं यह क्यों कह रहा हूँ? अगर हम इस तरह की नफरत फैलाएँगे, तो कौन सा निवेशक आएगा? कोई निवेशक नहीं आएगा, कोई उद्योग नहीं आएगा। लंबे समय के लिए हम महाराष्ट्र को नुकसान पहुँचा रहे हैं।"

येउर में गटारी मनाने पर प्रतिबंध

- 23 और 24 जुलाई को प्रवेश बंद
- वन विभाग ने चेतावनी दी-उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी

ठाणे. शहर स्थित येउर वन क्षेत्र में गटारी के कारण नशे में धुत होकर भीड़भाड़, शोरगुल, अस्वच्छ परिस्थितियों और प्रकृति को हो रहे नुकसान को देखते हुए वन विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। येउर वन क्षेत्र 23 और 24 जुलाई को आम नागरिकों के लिए बंद रहेगा। वन विभाग ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि इस दौरान किसी को भी प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।पिछले कुछ वर्षों से गटारी के अवसर पर नागरिक बड़ी संख्या में येउर में भीड़भाड़ करते रहे हैं। शराब पीना, ध्वनि प्रदूषण, अभद्र व्यवहार, जंगल के नालों में नहाना, प्लास्टिक और कांच का कचरा प्राकृतिक संसाधनों और वन्यजीवों के लिए खतरा बन रहा था। इसी के चलते, इस वर्ष येउर वन क्षेत्र में गटारी पर्व पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है,यह वन रेंज अधिकारी मयूर सुरवसे ने बताया।

वन विभाग, ठाणे शहर पुलिस, यातायात नियंत्रण शाखा और राज्य आबकारी विभाग ने मिलकर इन दो दिनों की योजना बनाई है। संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के बोरीवली विस्तार में स्थित येउर वन क्षेत्र जैव विविधता से समृद्ध है और यहाँ के तटबंध, नदियाँ और पहाड़ी क्षेत्र अत्यधिक संवेदनशील हैं। वन विभाग ने कहा है कि यहाँ भीड़भाड़ वन्यजीवों के आवास के लिए गंभीर खतरा पैदा करती है।

वन विभाग ने की अपील

वन विभाग ने अपील की है कि लोग गटारी मनाने के लिए जंगल में न आएँ। प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने के लिए नागरिकों को सहयोग करना चाहिए। स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि उल्लंघन करने वालों के खिलाफ वन विकास अधिनियम 1927 और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

–**मयूर सुरवसे**, वन क्षेत्र अधिकारी येउर

ठाणे स्टेशन के आधुनिकीकरण का 949 करोड़ का प्रस्ताव लंबित

- सांसद नरेश म्हस्के ने संसद में उठाया सवाल
- केंद्रीय रेल मंत्री का ध्यान आकर्षित किया

ठाणे. मध्य रेलवे ने ठाणे-अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत ठाणे रेलवे स्टेशन के आधुनिकीकरण के लिए रेलवे बोर्ड को 949 करोड़ रुपये का प्रस्ताव भेजा है और यह अभी भी लंबित है। इसके अलावा, ठाणे के सांसद नरेश म्हस्के ने आज संसद में नियम 377 के तहत ठाणे स्टेशन पर मुलुंड की ओर जाने वाले एक नए पैदल पुल के तत्काल निर्माण के संबंध में एक प्रश्न उठाया और केंद्रीय रेल मंत्री का ध्यान आकर्षित किया।ठाणे लोकसभा क्षेत्र की जनसंख्या लगभग 26 लाख है। यहा के निवासियों के लिए रेलवे यात्रा का मुख्य साधन है। रेलवे बोर्ड से मंजूरी मिलने में देरी के कारण कई महत्वपूर्ण परियोजनाएँ लंबे समय से लंबित हैं। इससे लोगों को भारी असुविधा हो रही है। मध्य रेलवे ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे बोर्ड को 949 करोड़ रुपये का प्रस्ताव भेजा है, जो अभी भी मंजूरी का इंतजार कर रहा है, सांसद नरेश म्हस्के ने सदन के ध्यान में लाया।ठाणे देश के सबसे व्यस्त स्टेशनों में से एक है और इसे आधुनिकीकरण की सख्त जरूरत है। ठाणे स्टेशन पर मुलुंड की ओर एक नया पैदल यात्री पुल बनाने की तत्काल आवश्यकता है। यह पुल प्लेटफार्म नंबर 1 को प्लेटफार्म नंबर 7 और 8 के साथ-साथ स्टेशन के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों को जोड़ेगा, जिससे यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने में काफी मदद मिलेगी। रेल मंत्री को सार्वजनिक महत्व के इन दोनों प्रस्तावों पर व्यक्तिगत ध्यान देना चाहिए और रेलवे बोर्ड को जल्द से जल्द इन्हें मंजूरी देने का निर्देश देना चाहिए, ताकि ठाणे के लाखों यात्रियों को राहत मिले और उनकी यात्रा सुगम और सुरक्षित हो सके, सांसद नरेश म्हस्के ने संसद में अनुरोध किया।

मुंबई में दृश्यम स्टाइल में मर्डर

- टाइल्स के नीचे दफनाया पति का शव
- प्रेमी संग पत्नी फरार

मुंबई. नालासोपारा में हिंदी फिल्म दृश्यम स्टाइल में मर्डर का खौफनाक मामला सामने आया है। यहां नालासोपारा की रहने वाली एक महिला ने प्रेमी संग मिलकर अपने पति की बेरहमी से हत्या कर दी।

इसके बाद किसी को शक न हो इसलिए उसने पति के शव को घर में लगी टाइल्स को खोदकर दफना दिया। फिर इसके ऊपर से और टाइल्स बिछा दीं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक 35 वर्षीय विजय चव्हाण अपनी पत्नी के साथ मुंबई से 70 किलोमीटर दूर नालासोपारा में रहता था। वह पिछले पंद्रह दिनों से लापता चल रहा था। ऐसे में उसके गृह जिले से उसके भाई उसे ढूंढ़ने के लिए मुंबई पहुंचे। यहां पर उसकी पत्नी भी लापता मिली। घर पर पहुंचने के बाद उन्हें फर्श में लगी टाइल्स में कुछ का रंग अलग लगा। शक बढ़ने पर सभी ने मिलकर नई टाइल्सों को हटाया, जिसके बाद उन्हें थोड़े ही नीचे एक शव दिखाई दिया, जिससे भयंकर दुर्गंध आ रही थी। इसके बाद उन्होंने स्थानीय पुलिस को इस बारे में सूचना दी।

स्थानीय पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में शक की सुई विजय की 28 वर्षीय पत्नी कोमल की ओर ही घूम रही है। आशंका है कि कोमल अपने पति की हत्या करने के बाद अपने प्रेमी मोनू के साथ भाग गई है। दोनों ही पिछले कुछ दिनों से लापता चल रहे हैं। इसके अलावा दोनों के बीच में प्रेम संबंध होने की बात भी सामने आ रही है।

लोकल ट्रेनों में स्वचालित दरवाजे;

किराया में कोई वृद्धि नहीं की जाएगी -CM फडणवीस

मुंबई. देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के लोगों की एक वर्षों पुरानी मुराद पूरी होने जा रही है. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की सरकार ने इसको लेकर अहम घोषणा कर दी है. इस घोषणा को सुनने मात्र से मुंबई की करोड़ों लोगों की आबादी चहक उठी है. दरअसल, मुख्यमंत्री फडणवीस ने रविवार को एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि मुंबई की लोकल ट्रेनों को जल्द ही मेट्रो जैसा रूप दिया जाएगा, जिसमें पूरी तरह से एसी कोच और स्वचालित दरवाजे होंगे. सबसे राहत भरी बात यह है कि इस बदलाव के बावजूद किराया में कोई वृद्धि नहीं की जाएगी.

यह घोषणा महाराष्ट्र विधानसभा में की गई जहां फडणवीस ने मुंबई के दैनिक यात्रियों को बेहतर और सुरक्षित यात्रा का आश्वासन दिया. यह कदम नौ जून हुई ट्रेन दुर्घटना के बाद आया है, जिसमें पांच लोगों की जान चली गई थी. फडणवीस ने कहा कि खुली दरवाजों वाली भीड़भाड़ वाली लोकल ट्रेनों में ऐसी दुर्घटनाएं होती हैं, जबकि मेट्रो ट्रेनों में स्वचालित दरवाजे और एसी सुविधा यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करती है.

उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से चर्चा की गई, जिन्होंने सकारात्मक निर्णय लिया है. वैष्णव जल्द ही मुंबई आकर इसकी आधिकारिक घोषणा करेंगे. फडणवीस ने जोर देकर कहा कि नए कोच पुराने ट्रेनों में फिट किए जाने वाले नहीं होंगे, बल्कि ये पूरी तरह से नए होंगे, जिसमें आधुनिक सुविधाएं होंगी. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किराया वृद्धि का सवाल ही नहीं उठता, ताकि आम यात्री इस सुविधा का लाभ उठा सकें. मुंबई की लोकल ट्रेनें रोजाना 75 लाख यात्रियों को ढोती हैं. इस बदलाव से नई जिंदगी पा सकती हैं, खासकर सुबह और शाम के चरम घंटों में.

इसके अलावा फडणवीस ने अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की भी घोषणा की. उन्होंने कहा कि कोलाबा-बीकेसी-आरे मेट्रो तीन अक्टूबर तक पूरी तरह से चालू हो जाएगी, जबकि नवंबर 2025 तक नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा शुरू हो जाएगा. वधवान पोर्ट का काम भी तेजी से चल रहा है. यह दुनिया के शीर्ष 10 पोतों में शामिल होगा. इन परियोजनाओं से मुंबई और महाराष्ट्र की समुद्री और हवाई शक्ति में वृद्धि होगी.

गुटखे से भरा टेम्पो पुलिस ने किया जब्त

नवी मुंबई. नवी मुंबई पुलिस के नशा विरोधी दस्ते ने शाम के समय सायन - पनवेल मार्ग पर गुटखा लेकर जा रहे एक टेम्पो को पकड़ा , पुलिस ने इस टेम्पों से 17 लाख 40 हजार कीमत का गुटखा बरामद किया। पुलिस ने इस मामले में टेम्पो चालक को गिरफ्तार कर कामोठे पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। पता हो कि महाराष्ट्र में गुटखा बिक्री पर पूरी तरह से प्रतिबंध है इसके बावजूद कुछ लोग चोरी छिपे गुटखे को लेकर बड़े पैमाने पर अवैध रूप से गुटखे का कारोबार करने में लगे हुए हैं।

विद्यार्थी सम्मान समारोह एवं महाराणा प्रताप खंडकाव्य पुस्तक विमोचन

ठाणे. क्षत्रिय समाज चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी उत्कृष्ट विद्यार्थी सम्मान समारोह तथा महाराणा प्रताप खंडकाव्य पुस्तक का भव्य विमोचन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस गरिमामय अवसर पर सैकड़ों विद्यार्थी, पालकगण एवं विशिष्ट अतिथिगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुंबई विश्वविद्यालय के लॉ फैकल्टी डीन डॉ. अनिल कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलन किया। इस अवसर पर उद्योगपति रमेश सिंह, रामबक्स सिंह, अनिल सिंह, बलवंत सिंह, डॉ. सी. पी. सिंह, संस्था के मार्गदर्शक प्रभाकर सिंह और अभिराम सिंह मंच पर विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान 100 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों को बैग, मेडल, ट्राफी,छतरी एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया, जिससे छात्रों का मनोबल और आत्मविश्वास दोनों बढ़ा। संस्थापक एडवोकेट विनय कुमार सिंह ने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा आप सभी को मूल विषयों की गहरी समझ बनाते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं की दिशा में एकाग्र होकर तैयारी करनी चाहिए। यही सफलता की असली नींव है।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में शैलेश सिंह, रणधीर सिंह, अनूप सिंह, मृत्युंजय शाही और अनिल सिंह का विशेष सहयोग रहा।कार्यक्रम में सुधीर सिंह, नरेंद्र सिंह,श्रवण कुमार सिंह सुनील सिंह, राजेश सिंह, मनोज सिंह, समरजीत सिंह,राजनाथ सिंह, संजय सिंह, प्रदीप सिंह, रितेश सिंह,भगवंत सिंह, प्रमोद शाही, और रंजीत सिंह का सहयोग रहा

संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय प्रताप सिंह ने सभी गणमान्य अतिथियों, सहयोगियों और समिति सदस्यों का आभार प्रकट करते हुए, समिति का विस्तृत परिचय मंच से साझा किया।ठाणे महिला अध्यक्षा मनीषा सिंह ने पूरे कार्यक्रम का संचालन अत्यंत सशक्त और प्रभावशाली ढंग से किया। एन. बी. सिंह 'नादान' द्वारा लिखित "महाराणा प्रताप खंडकाव्य" पुस्तक का भव्य विमोचन हुआ। कार्यक्रम के अंतिम चरण में अमर सिंह रघुवंशी द्वारा प्रस्तुत महाराणा प्रताप पर आधारित गीत ने पूरे वातावरण को वीररस और राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत कर दिया।

काजोल-ट्विंकल खन्ना लेकर आ रही हैं टॉक शो

काजोल और ट्विंकल खन्ना एक नया टॉक शो लेकर आ रहे हैं और इसकी अनाउंसमेंट से ही फैंस काफी एक्साइटेड हो गए हैं। दरअसल, प्राइम वीडियो ने अनाउंस किया है कि एक टॉक शो आ रहा है जिसमें बॉलीवुड के बड़े सेलेब्स आने वाले हैं। इस अनाउंसमेंट में ट्विंकल और काजोल साथ नजर आ रहे हैं। फोटो में दोनों पर्दे को साइड करके शॉकिंग एक्सप्रेशन दे रही हैं।

लोगों के रिएक्शन

कैप्शन में लिखा है, इन्हें चाय मिल गई है और इसे आप मिस नहीं कर सकते। इस पोस्ट पर फैंस अपनी एक्साइटमेंट शेयर कर रहे हैं। एक ने लिखा कि ओएमजी येस...मेकी 2 फेवरेट पर्सनैलिटीज एक शो में। यह काफी क्रेजी और फनी होने वाला है। वहीं एक ने लिखा कि दोनों अजय और अक्षय को ट्रोल करने वाले हैं। एक ने यह भी ख्वाहिश रखी कि वह इन दोनों को एक कॉमेडी फिल्म में देखने चाहते हैं।

बता दें कि काजोल और ट्विंकल दोनों ही काफी फनी पर्सनैलिटी हैं। दोनों खूब मस्ती करती हैं और जब दोनों साथ आएंगी तो माहौल मजेदार ही होने वाला है। शो की बात करें तो यह एक बोल्ड और अनफिल्टर्ड होने वाला है। शो के गेस्ट लिस्ट की अनाउंसमेंट अभी होने वाली है।

दोनों की प्रोफेशनल लाइफ

काजोल की फिल्मों की बात करें तो वह हाल ही में फिल्म मां में नजर आई थीं जो हॉरर फिल्म थी। फिल्म में काजोल के साथ इंद्रनेल सेनगुप्ता और रोनित रॉय भी थे। फिल्म ने वर्ल्डवाइड 50 करोड़ की कमाई की थी।

अब काजोल फिल्म सरजमीं में नजर आने वाली हैं जिसमें उनके साथ सुकुमारण और इब्राहिम अली खान लीड रोल में हैं। फिल्म 25 जुलाई को जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

थाना माहेश्वरी मंडल ने किया पिकनिक व सहभोज का आयोजन

भिवंडी. थाना माहेश्वरी मंडल द्वारा सदस्यों के लिए पिकनिक व सहभोज का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत शिव महिम्न स्तोत्र पाठ व आरती से हुई। इसके बाद सभी ने वेव पूल, वॉटर स्लाइड्स और स्वादिष्ट भोजन का भरपूर आनंद लिया। युवती समिति की अंताक्षरी व युवा समिति की हास्य हाउसी ने सभी को खूब आनंदित किया।

मुख्य संयोजक मनोज दुगानी सहित महावीर बिनानी, ललित सोनीमा, ओमप्रकाश सोनीमा, राजू तापड़िया, परमेश तापड़िया, मुकेश कवला, श्याम भूतड़ा, पवन सोमानी, रंजन सिंघर व अन्य कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका सराहनीय रही। पिकनिक सहभोज कार्यक्रम में समाज के 500+ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी समाजबंधुओं के सहयोग व सहभागिता से यह आयोजन सफल और यादगार बन सका।

गोवा से ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

मीरारोड. मीरा - भाईंदर,वसई - विरार पुलिस आयुक्तालय अंतर्गत कार्यरत सेंट्रल क्राईम डिटेक्शन की टीम को एक बड़ी सफलता मिली है. टीम ने गोवा राज्य के पणजी इलाके से कासिम खान नामक एक फरार ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया, जो काफी समय से पुलिस की नजर से बचता फिर रहा था. पुलिस उपायुक्त संदीप डाईफोड़े के अनुसार, आरोपी कासिम खान, निवासी नरवाड़े, ठाणे पूर्व में अमली पदार्थों की अवैध बिक्री में लिप्त था और उसके खिलाफ पहले से ही दो गंभीर अपराध दर्ज थे. उसके पास से 1,38,000 रुपये की नशीली मेफेड्रॉन (MD) ड्रग्स जब्त की गई थी. इस संबंध में उसके खिलाफ ठाणे नगर पुलिस स्टेशन और कासरवडावली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज था.

पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक के निर्देशानुसार सेंट्रल क्राईम डिटेक्शन की विशेष टीम ने तकनीकी विश्लेषण, गुप्त जानकारी और ठोस निगरानी के आधार पर आरोपी का लोकेशन ट्रेस किया और गोवा से उसे धर दबोचा. इस कार्रवाई में कई वरिष्ठ अधिकारियों और अधिकारियों की टीम शामिल रही.

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099